RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 निक्की तंबोली के लेटेस्ट...

वर्ष : 27 अंक : 15 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 05 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

प्रधानमंत्री ने किया 'नमो भारत ट्रेन' का उद्घाटन

"साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 42 किलोमीटर का नया रैपिड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नमो भारत ट्रेन के नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया, जिससे अब दिल्ली से मेरठ का सफर केवल 40 मिनट में पूरा होगा। इस उद्घाटन के बाद, पीएम मोदी ने साहिबाबाद स्टेशन पर अधिकारियों से बातचीत की और रैपिड रेल में बच्चों व अन्य यात्रियों से मुलाकात की।

नमो भारत कॉरिडोर के तहत आनंद विहार से मेरठ साउथ तक 35 मिनट में सफर होगा, जबकि न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक यह सफर 40 मिनट में पूरा होगा। इसमें कुल 19 स्टेशन होंगे, जिनमें से कुछ भूमिगत भी होंगे। इस परियोजना का उद्देश्य गाजियाबाद और नोएडा जैसे इलाकों के लोगों को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 42 किलोमीटर के इस कॉरिडोर का

निर्माण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा किया गया है।

आनंद विहार इस कॉरिडोर का अब तक का पहला भूमिगत स्टेशन है। यहां से मेरठ साउथ तक जाने में 35 मिनट लगेंगे। इस बीच नौ स्टेशनों पर ट्रेन ठहराव होगा।

न्यू अशोक नगर एलिवेटेड स्टेशन है। यहां से मेरठ साउथ तक के सफर में 40 मिनट लगेंगे, बीच में 10 स्टेशनों पर ट्रेन रुकेगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) नमो भारत ट्रेन के लिए आरआरटीएस कॉरिडोर का निर्माण किया है। अभी साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 42 किलोमीटर के कॉरिडोर पर नौ स्टेशनों से ट्रेन चल रही है।

साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक 42 किलोमीटर कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन का परिचालन तीन चरणों में शुरू किया जा चुका है। अब साहिबाबाद से आगे आनंद विहार के रास्ते न्यू अशोक नगर के बीच इसके 13 किलोमीटर के कॉरिडोर पर परिचालन शुरू होने नमो भारत ट्रेन का नेटवर्क 55 किलोमीटर का हो जाएगा। शुरुआत के साथ ही साहिबाबाद भारत इलेक्ट्रिकल के पास से खिचड़ीपुर तक का इसका छह किलोमीटर का सफर भूमिगत होगा।

न्यू अशोक नगर स्टेशन की विशेषताएं

- 20 मीटर से अधिक ऊंचाई पर बना
- 90 मीटर के फुटओवर ब्रिज से ब्लू लाइन मेट्रो स्टेशन जोड़ा जाएगा, काम जारी
- 02 पार्किंग, 500 वाहनों की क्षमता
- 03 प्रवेश व निकासी मार्ग

नमो भारत ट्रेन में सुविधा

- एक महिला कोच आरक्षित
- बाकी कोचों में महिला, बुजुर्ग और दिव्यांगें के सीटें आरक्षित
- ट्रेन में मदद के लिए एक अटेंडेंट भी होगा
- स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की सुविधा रहेगी
- कोच की स्टैंडर्ड और प्रीमियम श्रेणी रहेगी

गाजियाबाद और नोएडा के क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

इन दोनों स्टेशनों से नमो भारत ट्रेन के चलने पर राष्ट्रीय राजधानी के पूर्वी दिल्ली इलाके से सटे गाजियाबाद और नोएडा के लोगों को भी लाभ होगा। आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन के करीब गाजियाबाद जिले का कौशांबी, रामप्रस्थ, सूर्य विहार रिहायशी इलाका पड़ता है। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र के भी यह बहुत करीब है।

मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पूरा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित रहा : योगी

लखनऊ (एजेसी)। राजधानी लखनऊ में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि उप्र में सुशासन के संस्थापक श्रीराम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है।

एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम ने कहा कि 'बाबूजी' ने अपने जीवन का एक-एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे। सीएम ने 'पद्म विभूषण' कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित आदरणीय कल्याण सिंह जी को जयंती पर श्रद्धापूर्ण नमन !''

मौर्य ने कहा, ''बाबूजी का जीवन उनके सिद्धांतों, निडरता एवं लोक सेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक रहा. उनका न कोई पछतावा, न कोई पश्चाताप, न कोई दु:ख, न ही कोई शोक का मूलमंत्र उनकी गंभीरता तथा आत्मिक सत्यता का प्रतीक रहने के साथ-साथ हम सभी का राष्ट्रोत्थान व सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रति मार्गदर्शन करता रहेगा.''

वहीं यूपी के ऊर्जा मंत्री एक शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-'सुशासन के प्रतीक, राजस्थान व हिमांचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, लोकप्रिय राजनेता 'पद्म विभूषण' श्रद्धेय कल्याण सिंह जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन!' उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को अलीगढ़ जिले में हुआ था और 21 अगस्त 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

नगर मजिस्ट्रेट ने किया रात्रिकालीन भ्रमण, वितरित किए कंबल

सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में कराया शिफ्ट

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शीतलहरी एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने हेतु डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराए जा रहे हैं।

डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोएं और जिला प्रशासन द्वारा संचालित रैन बसेरों में प्रवास करें।

नगर मजिस्ट्रेट ने आम जनमानस से भी अपील की कि यदि वे किसी को खुले आसमान में सड़क किनारे सोता हुआ देखें तो उसे रैन बसेरों की सुविधा के बारे में अवगत कराएं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए। नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए जाएंगे।

ईको-ट्रैक्टर ट्रॉली की आमने-सामने भिड़न, एक की मौत, सात घायल

नोएडा (चेतना मंच)। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के चचूरा गांव में कोहरे के कारण ट्रैक्टर-ट्राली और ईको कार में आमने-सामने की भिड़ंत में एक की मौत हो गई। वहीं कार में सवार पांच महिलाओं सहित सात लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि बुलंदशहर के रहने वाले कुछ लोग उस्मानपुर गांव में गमी के एक

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। वहां से कार में सवार होकर वापस लौट रहे थे।

चचूरा गांव में शनिवार रात करीब 8.45 बजे एक ट्रैक्टर के ट्रॉली से मारुति इको वैन की टक्कर हो गई। जिससे वैन में सवार जीशान निवासी खेतलपुर गांव भंसौली थाना चांदपुर देहात बुलंदशहर की मौत हो गई। वहीं अन्य सात लोगों को चोट आई है। घायलों की पहचान नदीम (30), मदीना (40), सायरा (45), परवीन (45), नाजरीन (50), संजीदा (50) निवासी खेतलपुर गांव भंसौली व समीर (18) निवासी सीमापुरी दिल्ली के रूप में हुई है।

श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। आज साहिबे कमाल श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह नगर कीर्तन सुबह 10.30 बजे सेक्टर-12 स्थित गुरुद्वारा हरकिशन साहब से प्रारंभ हुआ। विभिन्न कीर्तन जत्थों और दूर-दूर से आई मंडलियों ने करतब दिखाते हुए इस शोभायात्रा में भाग लिया।

नगर कीर्तन का आयोजन भूपेंद्र सिंह, हरमीत सिंह, रणधीर सिंह, मनिंदर सिंह, गुरजिंदर सिंह और संगत के अटूट परिश्रम का परिणाम रहा। नोएडा की सड़कों पर

जब यह नगर कीर्तन श्री गुरु गोविंद सिंह के गुणगान करते निकला, तब पंजाबी समाज ने इसे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ स्वागत किया। सेक्टर-2 में नोएडा पंजाबी एकता समाज समूह ने नगर कीर्तन का स्वागत किया।

नोएडा पंजाबी एकता समिति से वीरेंद्र मेहता, नरेंद्र चोपड़ा, विनीत मेहता, गौरव चाचरा और नवीन सोनी ने सेक्टर 21 के सामने स्टॉल लगाकर गुरु का लंगर लगाया और नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर पंजाबी विकास मंच के चेयरमैन दीपक विग, अध्यक्ष गुरविंदर सिंह बंसल और संजीव पुरी, महासचिव टी.एस. अरोड़ा, अध्यक्ष विपिन मल्हन, हरजीत सिंह और योगेश आनंद आदि उपस्थित रहे।

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थापित होंगे तीन फ्यूल स्टेशन

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) पर ईंधन आपूर्ति की सुविधा को मजबूत करने के लिए तीन फ्यूल स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने इन स्टेशनों के निर्माण के लिए इंडियन ऑयल के साथ अनुबंध किया है। ये स्टेशन यात्री, एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल पर वाहनों की ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अप्रैल 2025 से यात्री सेवाओं के लिए शुरू हो जाएगा। यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ढांचागत विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

एयरपोर्ट परिसर में यात्रियों के लिए पश्चिम रोड के पास फ्यूल स्टेशन बनाया जाएगा, जबकि एयरपोर्ट संचालन के लिए एयरसाइड में एक स्टेशन होगा। इसके अलावा, कार्गो टर्मिनल के पास तीसरा

स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिससे ईंधन की आपूर्ति में कोई बाधा न आए।

यापल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान कहा कि एयरपोर्ट पर ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इंडियन ऑयल के डिवीजनल रिटेल सेल्स प्रमुख सुमित मुंशी ने कहा कि ये स्टेशन न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक होंगे, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी बढ़ावा देंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर की हरियाली बनाए रखने के लिए 100 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। उद्यान विभाग ने 24 से अधिक पार्कों और हरित क्षेत्रों के रखरखाव के लिए निविदाएं जारी की हैं।

पहले चरण में 30 करोड़ रुपये के कार्यों के तहत पेड़-पौधों के रखरखाव, झूले, पाथवे और ओपन जिम जैसी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाएगा। चयनित एजेंसी को दो साल तक पार्कों और हरित क्षेत्रों की देखरेख की जिम्मेदारी दी जाएगी।

इन क्षेत्रों में होंगे कार्य

ओमीक्रान 2, डेल्टा 2, म्यू 2, नॉलेज पार्क, गामा 1 और 2, चाई 5, पाई 1 और 2, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सामने की हरित पट्टी, सिग्मा 1, 2, 3, 4, ईकोटेक 10, 11, और अन्य क्षेत्रों में उद्यान विकास और मरम्मत कार्य किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने यह कदम शहर को हरित और स्वच्छ बनाए रखने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए उठाया है।

ख्वाजा का दर

प्रधानमंत्री मोदी ने नए साल पर अमन-चैन, भाईचारे और आस्था की शुरुआत की है। उन्होंने अजमेर शरीफ के ख्वाजा के दर पर आस्था की चादर भिजवाई है। यह प्रधानमंत्री की 11वीं चादर है, जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और कुछ सचिव स्तर के बड़े अधिकारी लेकर अजमेर गए हैं। अजमेर से पहले रिजिजू ने दिल्ली में निज़ामुद्दीन औलिया की पाक दरगाह पर चादर चढ़ाई। प्रधानमंत्री मोदी ने यह कोशिश तब की है, जब कुछ हिंदूवादी संगठनों ने अजमेर की पाक दरगाह के नीचे शिव मंदिर होने का दावा किया है। उस शिवालय को ध्वस्त करके मुगलों ने अजमेर की मस्जिद और दरगाह बनाई थी। हालांकि अजमेर शरीफ में मुसलमानों से ज्यादा हिंदू इबादत करने, चादर चढ़ाने जाते रहे हैं। इस रवायत को नजरअंदाज कर केस अदालत में भी दर्ज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री की आस्था की चादर से हिंदू-मुस्लिम पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। कुछ हिंदूवादी चेहरे प्रधानमंत्री से नाराज भी बताए जा रहे हैं और वे अजमेर-संभल समेत कुछ इलाकों की मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढने पर आमादा हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए खुदाई के काम जारी हैं। क्या सर्वोच्च अदालत संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई करेगी? क्या भाजपा वाले सरसंघचालक मोहन भागवत की अपील का भी विरोध कर सकते हैं? क्या उनमें ऐसा दुस्साहस है? सरसंघचालक चाहते हैं कि अब अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय, महादेव का मंदिर ढूंढना बंद किया जाए। इन गतिविधियों से कोई भी व्यक्ति 'हिंदुओं का नेता' बनने का भ्रम न पाले। बहरहाल यदि शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है, तो संभव है कि नए साल में, देश में, संविधान का संकट भी उभर सकता है! कुछ तत्त्व न तो प्रधानमंत्री की सुन रहे हैं, न संसद की बात मानना चाहते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत का फैसला उन्हें स्वीकार्य है, नतीजतन क्या होगा? यदि देश में संविधान का संकट सामने आता है, तो हमारे लोकतंत्र की तमाम व्यवस्थाएं सवालिया हो सकती हैं! यानी गणतंत्र ही दांव पर लगाया जा सकता है! इसी साल वक्फ बोर्ड और 'एक देश, एक चुनाव' सरीखे विवादित बिल भी संसद में पारित किए जाने हैं। इन बिलों पर देश की राजनीति बिलकुल विभाजित है और सांप्रदायिक तनाव और हिंसा के हालात भी स्पष्ट हैं। सवाल है कि क्या 2025 सांप्रदायिक, वैचारिक आधार पर उथल-पुथल का साल साबित होगा? इसी साल दिल्ली, बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा दिल्ली के उपराज्यपाल के दफ्तर ने धार्मिक स्थलों को तोडने के संदर्भ में जो रहस्योद्घाटन किया है, उससे भी राजनीति बेहद गरमाएगी। उपराज्यपाल सचिवालय ने खुलासा किया है कि 8 फरवरी, 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 9 मंदिरों को गिराने की सिफारिश की थी। ऐसी ही सिफारिशें दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और गृहमंत्री सत्येन्द्र जैन ने भी की थीं। 2016-23 के दौरान तत्कालीन 'आप' सरकार ने 24 मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोडने की सिफारिशें की थीं। इन धार्मिक स्थलों में एक भी मस्जिद का संदर्भ नहीं है। हालांकि उपराज्यपाल ने वे तमाम सिफारिशें खारिज कर दी थीं। ये सांप्रदायिक विभाजन, तनाव और टकराव के उद्धरण हैं, जो देश के हालात में उथल-पुथल बो सकते हैं। इन्हीं स्थितियों में प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को करीब 4500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन किए। दिल्ली में वीर सावरकर के नाम पर कालेज बनाया गया है। केजरीवाल ने सरसंघचालक भागवत को हाल ही में जो चिट्ठी लिखी थी, उसमें भी वोट काटने और खरीदने के मुद्दों का जिक्र था। इसके अलावा, पंजाब और बिहार में बंद, अनशन, चक्का जाम, रेल रोको आदि के जो आंदोलन चलाए जा रहे हैं, वे भी देश की शांति, स्थिरता को डांवाडोल कर सकते हैं।

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है।

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्धारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है।

जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को

लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव ल?ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12. 42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था।

इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है।

आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

- रमेश सर्राफ धमोरा

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि भोजन (करने वालों) की बहुत सी पंगतें बैठीं। चतुर रसोइए परोसने लगे। स्त्रियों की मंडलियाँ देवताओं को भोजन करते जानकर कोमल वाणी से गालियाँ देने लगीं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

गारीं मधुर स्वर देहिं सुंदरि बिंग्य बचन सुनावहीं।
भोजनु करहिं सुर अति बिलंबु बिनोदु सुनि सचु पावहीं॥
जेवँत जो बढ्यो अनंदु सो मुख कोटिहूँ न परै कह्यो।
अचवाँइ दीन्हें पान गवने बास जहँ जाको रह्यो॥

सब सुंदरी स्त्रियाँ मीठे स्वर में गालियाँ देने लगीं और व्यंग्य भरे वचन सुनाने लगीं। देवगण विनोद सुनकर बहुत सुख अनुभव करते हैं, इसलिए भोजन करने में बड़ी देर लगा रहे हैं। भोजन के समय जो आनंद बढ़ा वह करोड़ों मुँह से भी नहीं कहा जा सकता। (भोजन कर चुकने पर) सबके हाथ-मुँह धुलवाकर पान दिए गए। फिर सब लोग, जो जहाँ ठहरे थे, वहाँ चले गए।

दो0-बहुरि मुनिन्ह हिमवंत कहुँ लगन सुनाई आइ।
समय बिलोकि बिबाह कर पठए देव बोलाइ॥

फिर मुनियों ने लौटकर हिमवान को लगन (लग्न पत्रिका) सुनाई और विवाह का समय देखकर देवताओं को बुला भेजा॥

बोलि सकल सुर सादर लीन्हे। सबहि जथोचित आसन दीन्हे॥
बेदी बेद बिधान सँवारी। सुभग सुमंगल गावहिं नारी॥

सब देवताओं को आदर सहित बुलवा लिया और सबको यथायोग्य आसन दिए। वेद की रीति से वेदी सजाई गई और स्त्रियाँ सुंदर श्रेष्ठ मंगल गीत गाने लगीं॥

(क्रमशः..)

बाल कहानी

चिड़ियों ने सिखा दिया

गरमी कम होने लगी थी और मौसम सुहावना। आभास और अनुभूति के स्कूल से लौटने के बाद, उनकी मम्मी ने कहा, 'कल से रोज शाम हम तीनों घूमने जाया करेंगे। आपके पापा को पता चलेगा तो उन्हें भी यह जानकर बहुत अच्छा लगेगा । सैर करने से हमारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और तरोताजा भी रहा करेंगे। हम तीनों मास्क भी साथ लेकर जाएंगे। जरूरत पड़ी तो पहन सकते हैं'।

बाग उनके घर के पड़ोस में ही था जहां सुबह शाम बच्चे व बड़े घूमने आते थे। बाग में सैर मार्ग के किनारे खजूर के पुराने वृक्षों की टहनियों के झुरमुट में चिड़ियों का मोहल्ला बसा हुआ था। जिसमें खूब सारी चिड़ियाँ रहती थी, जिनके परिवार सदस्य सुबह और शाम खूब चींचीं चींचीं करते थे ।

जब आभास, अनुभूति और उनकी मम्मी खजूर के वृक्षों के पास से गुजर रहे थे तब भी ऐसा हो रहा था । उनकी चींचीं चींचीं जोर जोर से जारी थी। आभास ने पूछा, 'मम्मी क्या यह चिड़ियाँ रोज यहां आती होंगी'।

उसकी मम्मी ने कहा, 'आजकल बाग में खूब चिड़ियाँ और दूसरे परिंदे आए हुए हैं। चिड़ियाँ दिन भर इधर उधर चुगने और फुदकने रहने के बाद, शाम को यहां इक्कठी होती हैं । इन्हें समूह में रहना अच्छा लगता है। सुबह और शाम आपस में खूब बातें करती हैं, बहसती हैं, अनेक बार जोर से जब चीख चीख कर चीं चीं करती हैं तो ऐसा लगता है कि इनमें झगड़ा हो रहा है। थोड़ी देर बाद शांत हो जाती हैं। अगले दिन के कार्यक्रम पर चर्चा कर, रात यहीं गुजार कर, सुबह उड़ जाती हैं'।

चिड़ियों का शोर सुनकर वहां से गुजरने वालों की नजरें एक बार तो खजूर के पेड़ों की तरफ उठ ही जाती थी। पास से निकलते एक बच्चे ने बताया कि उसने कल शाम दो चिड़ियों को आपस में उलझते लड़ते, पेड़ से नीचे गिरते देखा है। आभास, अनुभूति की मम्मी को पता था कि स्कूल जाते समय या स्कूल से आकर, शाम को कभी एक बात पर तो कभी दूसरी बात पर बहसते थे । कई बार उनकी लड़ाई भी होती थी। तब उनकी मम्मी उनसे कहती थी कि हमें किसी भी बात या समस्या को आराम से बैठकर सुलझाना चाहिए न कि जोर जोर से बोलकर या लड़कर।

अगले दिन फिर तीनों घूमने गए तो चिड़ियाँ आराम से बात कर रही थी। पिछले कल जैसा शोर नहीं मचा रखा था उन्होंने। बाग के उस क्षेत्र में शांति थी। आभास ने कहा, 'मम्मी आज चिड़ियाँ कितने आराम से बात कर रही हैं, कितना अच्छा लग रहा है'। अनुभूति बोली, 'इनकी आवाज भी कितनी मीठी लग रही है'।

चिड़ियों का शोर सुनकर वहां से गुजरने वालों की नजरें एक बार तो खजूर के पेड़ों की तरफ उठ ही जाती थी। पास से निकलते एक बच्चे ने बताया कि उसने कल शाम दो चिड़ियों को आपस में उलझते लड़ते, पेड़ से नीचे गिरते देखा है।

थोड़ा दूर आगे पहुँचकर वे तीनों हरी घास पर बैठ गए। अडोस पड़ोस में बनी क्यारियों में रंग बिरंगे फूल बहुत सुन्दर लग रहे थे। सामने तालाब में बतखें तैर रही थीं।

मम्मी ने दोनों को समझाया, 'चिड़ियों का मोहल्ला हमारे घर जैसा है। आप भी तो कई बार चीख चीख कर, बात करते करते बहस करते हो और लड़ते भी हो। क्या यह अच्छी बात है, नहीं न । याद करो पिछले कल जब यह चिड़ियाँ जोर जोर से चीं चीं चीं कर रही थी तो यहां से गुजरने वालों को भी अच्छा नहीं लग रहा था। उनका यह शोर उनके घर से बाहर भी जा रहा था। लेकिन जब वह आराम से बात कर रही थी तब आप दोनों को भी कितनी अच्छी लग रही थी। आप दोनों मेरी बात समझ रहे हो न'।

आभास और अनुभूति को बात समझ में आ गई थी। दोनों ने अपनी मम्मी से लिपटकर वायदा किया कि वे भविष्य में अपनी कोई भी समस्या बहस न कर, बिना लड़े आराम से बैठकर, बात कर सुलझाएँगे। अगले दिन जब घूमने आए तो चिड़ियों के मोहल्ले में जोर से शोर मचा हुआ था। दोनों बच्चों ने मिलकर कहा, 'मम्मी मम्मी, देखो गंदे बच्चे शोर मचा रहे हैं'।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वास्थ्य मध्यम। मानसिक स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार आपका सही चलेगा। हरी वस्तु पास रखें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान भी मध्यम है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भुजा से लेकर नाक,कान और गला की परेशानी दिख रही है। व्यापार में नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, प्रेम-संतान मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
सिर दर्द,नेत्र पीड़ा, धन हानि, प्रेम-संतान ठीक है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा। हरी वस्तु पास रखें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। असमंजस वाले समाचार की प्राप्ति होगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
कोर्ट-कचहरी से बचें। कोई नए व्यापार की शुरुआत न करें। व्यापारिक स्थिति अभी मध्यम रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मकर राशि की स्थिति थोड़ी मध्यम दिख रही है। यात्रा में कष्ट संभव है। अपमानित होने का भय रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। चोट-चपेट लग सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम है। जीवनसाथी का साथ, सानिध्य और स्वास्थ्य सब मध्यम है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सेक्टर 27 के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना, मृत्यु दर कम करना और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना था।

जिलाधिकारी ने बताया कि 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सुरक्षा माह के तहत संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्ययोजना के अनुसार की गई कार्रवाई की जानकारी विश्वकर्मा पोर्टल पर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू किया जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें।

बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि बस, टेंपो और टैक्सी की पार्किंग निर्माण और निर्धारित रूट के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। अवैध स्टैंड और अतिक्रमण पर भी प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। स्कूल वाहनों की फिटनेस पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में रोड सेफ्टी अभियान चलाकर जागरूकता फैलाई जाए और स्कूल बसों की फिटनेस सुनिश्चित की जाए। साथ ही परिवहन निगम के ड्राइवरों की नियमित स्वास्थ्य जांच अनिवार्य कराई जाए।

उन्होंने अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर उन्हें अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों से सुधारने के निर्देश दिए। अवैध कट और 29 दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया। हिट एंड रन मामलों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देशित किया कि गठित कमेटी के माध्यम से सभी मामलों की रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि पीड़ितों को सहायता राशि समय पर उपलब्ध कराई जा सके।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पांडेय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग कंचन सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह और पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिवशक्ति अपार्टमेंट के एक घर से लूट लिए गहने और पैसे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-71 स्थित शिवशक्ति अपार्टमेंट में एक चोरों ने चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। 3 जनवरी की शाम को चोरों ने ताला तोड़कर घर के अंदर घुसकर कीमती सामान चोरी कर लिया। पीड़ित परिवार, जो कि सेक्टर 71 स्थित फ्लैट में रहता है, चंडीगढ़ गया था।

परिवार के सदस्य, नीरज सिंह और उनकी पत्नी रूबी कुमारी अपने दोनों बच्चों के साथ स्कूल की छुट्टियों में रिश्तेदार के पास गए हुए थे। उनके घर पर कोई नहीं था, और यही समय था जब चोरों ने फ्लैट को निशाना बनाया।

घर के मालिक नीरज सिंह, जो पत्रकार हैं, शुक्रवार रात करीब 11 बजे घर लौटे तो देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और घर का दरवाजा खुला हुआ था। इसके बाद उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो दूसरे कमरे की आलमारी का ताला भी तोड़ा गया था। घर में पत्नी के सोने की ज्वेलरी और कुछ नकदी गायब थे।

इस घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, और पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-71 थाना क्षेत्र में चोरों की इस बेखौफ चोरी ने इलाके में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोरों ने बड़ी चतुराई से घर में घुसकर चोरी की और इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने अपराधियों का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी है।

कैंसर के रोगियों को मिलेगा स्पेशल ट्रीटमेंट घर के पास मिलेगी वर्ल्ड क्लास मेडिकल सर्विस

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। 15 वर्षों से कैंसर के इलाज में लीडिंग रोल निभा रहा है और देश के 12 मेजर सिटीज में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे, इंटरनेशनल ऑन्कोलॉजी कैंसर इंस्टीट्यूट ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अपना कैंसर सेंटर स्थापित किया। यह इंस्टिट्यूट क्षेत्र के लोगों के लिए अत्याधुनिक तकनीकों से लैस और नजदीक होगा। जिससे यहां रह रहे निवासियों का पैसा और समय दोनों की बचत होगी।

आईओसीआई के डायरेक्टर डॉ. पी.के. शर्मा ने बताया कि मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा, हमारा नया केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है, जिसमें ट्रूबीम एसटीएक्स लीनियर एक्सेलेरेटर, ब्रेकीथेरेपी और 4डी सीटी सिम्युलेटर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। बता दें कि आईओसीआई अपने समर्पित चिकित्सकों, विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से कैंसर रोगियों को वर्ल्ड क्लास चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोबोटिक सर्जरी जैसी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी होगी उपलब्ध

साथ ही यह केंद्र रोबोटिक सर्जरी जैसी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस है। डॉ. शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर डायग्नोसिस और प्रॉपर ट्रीटमेंट से कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, पर्सनलाइज्ड कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसे मॉडर्न ट्रीटमेंट्स मरीजों को बेहतर जीवन प्रदान कर रहे हैं।

मरीजों का बचेगा समय और पैसा

इस नए केंद्र की स्थापना से ग्रेटर नोएडा वेस्ट और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को हाई क्वालिटी कैंसर चिकित्सा सुविधाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध हो सकेंगी। इससे मरीजों को दूर के अस्पतालों में जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और उनका समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

आपदा प्रबंधन फेमेक्स ट्रेनिंग का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों और अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) आठवीं बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में तहसील दादरी परिसर में आपदा प्रबंधन फेमेक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न आपदाओं से बचाव और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने आपदा प्रबंधन नीति, क्रियान्वयन और बेहतर प्रयासों पर जोर दिया। तहसील दादरी में उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा, तहसीलदार ओमप्रकाश पासवान और नायब तहसीलदार प्रज्ञा सिंह एवं प्रीति बालियान की अध्यक्षता में एनडीआरएफ के अधिकारियों ने आपदा की स्थिति में बचाव और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

प्रमुख आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप, अग्निकांड, शीतलहर, बज्रपात और सर्पदंश के दौरान क्या करें और क्या न करें% विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित प्रतिभागियों को प्राथमिक उपचार और आपातकालीन प्रबंधन की तकनीकों पर प्रशिक्षित किया गया।

एनडीआरएफ ने आपदा जोखिम, खतरे की संवेदनशीलता और आपदा के प्रकारों (भूकंप, चक्रवात, सीबीआरएन की भूमिका) के बारे में जानकारी दी। प्राथमिक उपचार, रक्तस्राव नियंत्रण, फ्रैक्चर स्थिरीकरण, हड्डी की अव्यवस्था, बीएलएस, सीपीआर, एफबीएओ जैसी आपातकालीन प्रक्रियाओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया। स्थानीय संसाधनों से तात्कालिक स्ट्रेचर तैयार करने की तकनीक भी सिखाई गई। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता, एनडीआरएफ के अधिकारीगण और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जीआईएस सब स्टेशन को गर्मी से पहले शुरू करने की तैयारी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण शहर में बिजली की व्यवस्था को बेहतर करने की योजना पर काम कर रहा है। शनिवार को एसीईओ संजय कुमार खत्री ने सेक्टर 115 में निर्माणाधीन 132/33 केवी जीआईएस सब स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसीईओ खत्री ने सब स्टेशन पर कार्यरत इंजीनियरों और कर्मचारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एसीईओ संजय खत्री ने आगामी गर्मी के मौसम से पहले सब स्टेशन के निर्माण कार्य को पूरा करने पर विशेष जोर दिया। ताकि नोएडा के निवासियों को भरपूर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि यह सब स्टेशन नोएडा के विद्युत वितरण नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा। इसके चालू होने से न केवल क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बेहतर होगी, बल्कि ओवरलोडिंग की समस्या से भी निजात मिलेगी।

एसीईओ संजय कुमार खत्री ने कहा कि नोएडा में बढ़ते विकास और औद्योगिक गतिविधियों को देखते हुए मजबूत विद्युत का ढांचा जरूरी है। इसके तहत ही शहर में अलग-अलग जगह सब स्टेशन बनाए जा रहे है। यह सब स्टेशन आधुनिक गैस इन्सुलेटेड स्विचगियर तकनीक पर आधारित है, जो बाकि सब स्टेशनों की तुलना में अधिक बहेतर होती है। इससे न केवल बिजली वितरण की क्षमता बढ़ेगी, बल्कि बिजली की बर्बादी भी कम होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरएस/गोरखपुर, विद्युत लोको शेड, गोरखपुर/पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है:–

निविदा सूचना संख्या: ELS-GKP-CAMC-CRANE-24-25, कार्य का नाम: "विद्युत लोको शेड गोरखपुर में 03 वर्षो के लिये KRANE mfg. मेक विभिन्न क्षमता की EOT क्रेनों की CAMC". अनुमानित लागत: ₹ 1,41,80,260.05, अग्रिम धन: ₹ 2,20,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00, निविदा की अवधि: 36 माह।

नोट: • ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 07-02-2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई-निविदा 07-02-2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। • इस ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अहर्तायें तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर उपलब्ध है। • निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस निविदा से संबन्धित शुद्धि-पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरएस
मुजाधि/विद्युत-205 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

युवक ने स्तनों का कराया ऑपरेशन

गाजियाबाद। पथरी, हर्निया, बवासीर, रसौली और हड्डी के ऑपरेशन तो जिला एमएमजी अस्पताल में खूब होते हैं, लेकिन शनिवार को गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में पहली बार युवक के दोनों स्तनों को ऑपरेशन के माध्यम से काटकर शरीर से अलग किया गया है।

सीएमएस डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से एक युवक सर्जन डॉ. मिलिंद गौतम के पास सर्जरी के लिए लगातार संपर्क कर रहा था।

युवक का कहना था कि उसके दोस्त उसे छेड़ते हैं। इससे वह तंग हो गया है। परेशान हूं। जांच-पड़ताल के बाद शनिवार को एनेस्थेटिस्ट डॉ. चरन सिंह, वीके मिश्रा और स्टाफ नर्स के सहयोग से उक्त युवक के दोनों स्तनों को ऑपरेशन करके शरीर से अलग कर दिया गया। बताया गया है कि दोनों स्तन डेढ़ किलों के हैं। सैंपल लेकर चिकित्सकों ने जांच को भेजा है।

डॉ. चरन सिंह का कहना है कि हजारों में एक युवक ऐसा होता है जिसके अंदर महिला जैसे हार्मोंस होते हैं। कई बार स्तन छोटे तो कई बार ज्यादा बड़े हो जाते हैं। शपथपत्र देने के बाद स्तनों को ऑपरेशन के माध्यम से हटवाया जाता है।

विजयनगर स्थित बिहारीपुरा की रहनी वाली वंदना शनिवार को जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में बुखार से पीड़ित अपने छह माह के बेटे कुणाल को लेकर पहुंची। सीएमएस डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि कुणाल के बुखार के साथ मेंजाइटिस भी था। भर्ती होने के 20 मिनट बाद ही बच्चे की मौत हो गई।

उधर, जिला महिला अस्पताल की नर्सरी में 19 बीमार नवजात भर्ती है। सर्दी में बच्चों के साथ बुजुर्ग सबसे अधिक बीमार हो रहे हैं। शीत लहर के चलते सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी में खांसी,जुकाम,बुखार और सांस के मरीज बढ रहे है। रिपोर्ट के अनुसार एमएमजी की ओपीडी में कुल 1698 मरीज पहुंचे। इनमें बुखार के 272 और बीमार बच्चे 305 शामिल हैं।

संयुक्त अस्पताल की ओपीडी में कुल 727 मरीज पहुंचे। इनमें बुखार के 108 और बीमार बच्चे 83 शामिल हैं।42 बच्चों समेत 309 लोगों ने कुत्ते के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। जिला महिला अस्पताल की ओपीडी में पहुंची 499 महिलाओं में से 26 प्रसव कराए गए हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है शेयर, मिलेंगे 1 शेयर पर 1 शेयर फ्री,

नईदिल्ली, एजेंसी। बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड ने शेयरों के बंटवारे और बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया दिया है। जोकि इसी महीने है। बता दें, शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएन राठी सिक्योरिटीज के शेयरों का भाव 2.45 प्रतिशत की गिरावट के बाद 266.95 रुपये था। इसी हफ्ते कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के लिए 24 जनवरी 2025 की तारीख रिकॉर्ड डेट घोषित की गई है। बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इससे पहले बताया था कि वो 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। कंपनी ने कहा है कि वो योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर भी देगी। इसके लिए भी रिकॉर्ड डेट 24 जनवरी 2025 ही है। बीएन राठी सिक्योरिटीज के शेयरों का प्रदर्शन पिछले कुछ सालों में शानदार रहा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते 6 महीने के दौरान 80 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल से इस स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 176 प्रतिशत का लाभ मिला है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 291 रुपये है। कंपनी का वीक लो लेवल 86.65 रुपये है। पिछले 3 साल में बीएन राठी सिक्योरिटीज के शेयरों की कीमतों में 600 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में इस स्टॉक का भाव 1800 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 276 करोड़ रुपये का है।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

खरगोन । भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2024-25 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।

इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं-

पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।

फैंटमएफएक्स ने 27 करोड़ रुपये के नए सौदों के साथ अपनी विकास गति को जारी रखा

चेन्नई, एजेंसी। फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड (एनएसई), एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो, ने अक्टूबर से दिसंबर 2024 की अवधि के लिए नए अनुबंधों को सफलतापूर्वक हासिल किया है। ये प्रोजेक्ट्स, जो अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में फैले हुए हैं, कंपनी की मजबूत उद्योग उपस्थिति और वैश्विक प्रोडक्शन हाउसों को इनोवेटिव समाधान प्रदान करने की क्षमता को दर्शाते हैं।

इन अनुबंधों का कुल मूल्य 27 करोड़ है, जिसमें से 20 करोड़ वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में राजस्व के रूप में मान्यता प्राप्त होंगे। शेष 7 करोड़ आगामी महीनों में कंपनी के राजस्व में योगदान देंगे। यह उपलब्धि फैंटमएफएक्स की वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 100 करोड़ से 110 करोड़ के बीच अनुमानित राजस्व प्रक्षेपण के अनुरूप है।

इस विकास पर टिप्पणी करते हुए फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री बेजॉय अर्जुथराज ने कहा, ये अनुबंध हमारी विकास और सफलता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। हमारे ग्राहकों द्वारा हम पर किया गया विश्वास हमारी उच्च गुणवत्ता, विश्वसनीय और स्केलेबल वीएफएक्स समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को फिर से साबित करता है। आगामी तिमाहियों में राजस्व की मान्यता के साथ, हमें विश्वास है कि हम वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। हम ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और उन्हें पार करने के लिए सीमाओं को आगे बढ़ाते रहेंगे।

नौकरी छोड़ी तो मिले ताने... आईआईटी से निकले दो दोस्तों ने खड़ा कर दिया 40,000 करोड़ का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। आईआईटी दिल्ली के दो दोस्तों विदित आत्रेय और संजीव बरनवाल ने कड़ी मेहनत और लगन से मीशो नाम का सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म बनाया है। इसने ई-कॉमर्स की दुनिया में तहलका मचा दिया। मीशो मेरी शॉप का संक्षिप्त रूप है। इसे मुख्य रूप से महिला उद्यमियों के लिए बनाया गया था ताकि वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें। आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन पाएं। 2015 में शुरू हुई यह कंपनी अब करीब 40,000 करोड़ रुपये के साम्राज्य में बदल चुकी है। आइए, यहां विदित आत्रेय और संजीव बरनवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आईआईटी से निकल दोनों करने लगे नौकरी

विदित आत्रेय और संजीव बरनवाल आईआईटी दिल्ली में जिगरी दोस्त थे। दोनों मीशो के संस्थापक हैं। यह सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। इसने ई-कॉमर्स इंडस्ट्री में क्रांति ला दी। आईआईटी से स्नातक होने के बाद संजीव बरनवाल जापान चले गए। वहां उन्होंने सोनी की कोर टेक टीम में काम किया। इस दौरान उन्होंने बहुत कुछ सीखा। काफी अच्छा अनुभव प्राप्त किया। फिर भी, उनके मन में हमेशा से अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की इच्छा थी। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने दोस्त विदित आत्रेय से संपर्क किया। विदित उस समय बेंगलुरु की कंपनी इनमोबाइल में काम कर रहे थे।

दो कमरों के फ्लैट से हुई शुरुआत

जून 2015 में स्टार्टअप के आइडिया पर काम करते हुए संजीव और विदित ने अपनी-अपनी नौकरियां छोड़ दीं। जब उन्होंने यह फैसला लिया तो लोगों के ताने भी सुनने को मिले। इसका एक कारण यह भी था कि दोनों को अपनी-अपनी नौकरी में काफी अच्छी सैलरी मिल रही थी। उनका शुरुआती टारगेट एक ऐसा फैशन मार्केटप्लेस बनाना था जो व्यवसायों की सफलता को प्राथमिकता दे। 2015 के अंत में, बेंगलुरु के कोरमंगला इलाके में एक छोटे से दो कमरों वाले फ्लैट में मीशो का ऑपरेशन शुरू हुआ। उनका पहला ऑफिस उनका डाइनिंग टेबल था।

काम का तरीका है अलग

आत्रेय और बरनवाल ने महसूस किया कि फेसबुक और व्हाट्सएप व्यापार के लिए पूरी तरह से उपयुक्त नहीं हैं। विक्रेताओं को सोशल मीडिया का बेहतर इस्तेमाल करने में मदद करने के लिए उन्होंने मीशो की शुरुआत की। मीशो अनोखे बिजनेस मॉडल पर काम करता है।

इसमें रीसेलर्स, जो ज्यादातर गृहिणियां होती हैं, अपने सोशल नेटवर्क में सामान बेचती हैं। सेलर्स ऐप पर अपना मार्केटप्लेस बनाते हैं। ग्राहकों से बातचीत करने के लिए वे व्हाट्सएप का इस्तेमाल करते हैं। वे अपनी फेसबुक प्रोफाइल को मीशो से जोड़ते हैं। पेमेंट लिंक भी व्हाट्सएप के जरिए ही भेजते हैं। मीशो सामान की डिलीवरी का प्रबंधन करता है। विक्रेताओं से कमीशन लेकर कमाई करता है।

लाखों-लाख महिलाओं को किया सशक्त

मीशो महिला उद्यमियों के लिए एक रीसेलिंग प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू हुई, जिससे उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने और पैसे कमाने में मदद मिली। बिना किसी शुरुआती निवेश के इस सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने लाखों-लाख उद्यमियों को अपना ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करने में मदद की है। इनमें से ज्यादातर महिलाएं हैं। मीशो भारत में महिला सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन गया है। इससे उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल रही है। मीशो की सफलता की कहानी दुनिया भर के लाखों उद्यमियों के लिए प्रेरणा है, जो इनोवेशन की शक्ति को दिखाती है।

एथर एनर्जी लिमिटेड ने 2025 एथर 450 पेश किया

बैंगलोर, एजेंसी। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी लिमिटेड ने आज अपना 2025 एथर 450 कई नए अपडेट्स के साथ पेश किया। 450एक्स और 450 एपेक्स स्कूटरों में ज्यादा सुरक्षा के लिए तीन अलग-अलग मोड्स के साथ मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल और शहरी ट्रैफिक में ज्यादा सुविधाजनक राईड के लिए मैजिकट्विस्टञ्जरू दिया गया है।

एथर एनर्जी के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत एस फोकेला ने कहा, ''एथर 450 को परफॉर्मेंस के लिए बनाया गया है। हम सालों से सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में सुधार करते हुए 450 स्कूटर श्रृंखला की परफॉर्मेंस बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अब अपने 2025 एथर 450 के साथ हम अपने स्कूटर्स की सुरक्षा बढ़ा रहे हैं। हमने 2025 एथर 450 में मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए हैं, जो आम तौर से हाई एंड मोटरसाईकलों में मिलते हैं। इस फीचर द्वारा राईडर भिन्न-भिन्न तरह की सड़कों पर बेहतर कंट्रोल और स्टेबिलिटी प्राप्त करते हैं। हमने 450 एपेक्स और रिज़्टा के बाद 450एक्स में भी मैजिकट्विस्टञ्जरूपेश किया है। हमें उम्मीद है कि इन अपडेट्स के साथ स्कूटर प्रेमियों को देश में राईडिंग का और ज्यादा बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।'' 2025 एथर 450एक्स और एथर 450 एपेक्स मॉडलों में मल्टी-मोड ट्रैक्शन कंट्रोल दिया गया है। यह फीचर चिकनी सतह पर स्कूटर को फिसलने से बचाने और राईडर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिज़ाईन किया गया है। ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम फिसलनी सतह पर रियर व्हील और फ्रंट व्हील में तालमेल बनाकर बेहतर स्टेबिलिटी प्रदान करता है। इसमें तीन अलग-अलग मोड - रेन मोड, रोड मोड, और रैली मोड हैं, जो राईडिंग की अलग-अलग परिस्थितियों के अनुरूप कंट्रोल के लिए फाईन ट्यून किए गए हैं। रेन मोड में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यह गीली और फिसलनभरी सड़क पर ग्रिप बढ़ाकर स्कूटर को फिसलने से बचाता है। रोड मोड को सुरक्षा और परफॉर्मेंस में संतुलन बनाकर दैनिक राईडिंग के अनुरूप डिज़ाईन किया गया है। रैली मोड को ऑफ-रोडिंग में कंट्रोल प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। इस फीचर से न केवल राईडर की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि परफॉर्मेंस में भी सुधार होता है, जिससे हर परिस्थिति में स्कूटर से सबसे अच्छी परफॉर्मेंस और कंट्रोल का आत्मविश्वास मिलता है।

राईडिंग के अनुभव में और ज्यादा सुधार करने के लिए एथर ने 2025 एथर 450 में एमआरएफ के साथ मिलकर विकसित किए गए मल्टी-कंपाउंड टायर पेश करके रेंज को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इसके अलावा, मैजिकट्विस्टञ्जरू जैसे फीचर्स की मदद से एनर्जी के उपयोग को ऑप्टिमाईज़ करके ब्रेकिंग के दौरान एनर्जी लॉस फ्रिक्शन को कम कर दिया गया है, जिससे रेंज में और ज्यादा सुधार हो गया है। इसलिए एथर 450एक्स 3.7 किलोवॉटघंटा (आईडीसी रेंज 161 किलोमीटर) और 450 एपेक्स (आईडीसी रेंज 157 किलोमीटर) से 130 किलोमीटर तक की ट्रूरेंज मिलती है।

50 अरब डॉलर के पार पहुंचेगा भारत का स्मार्टफोन बाजार

विनिर्माण के कारण 2025 में बिक्री में आएगी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। स्थानीय विनिर्माण पर जोर के कारण देश का स्मार्टफोन बाजार 2025 तक 50 अरब डॉलर (4.29 लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच जाएगा। काउंटरपॉइंट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का खुदरा औसत बिक्री कीमत (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर यानी 25,700 रुपये के पार पहुंचने की उम्मीद है।

एक नजर रिपोर्ट पर: रिपोर्ट में कहा गया है कि एपल और सैमसंग प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश कर इस बदलाव का नेतृत्व कर रहे हैं। 2021 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार 37.9 अरब डॉलर (लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये) होने का अनुमान लगाया गया था। एपल इंडिया की आय वित्त वर्ष 2024 में मोबाइल फोन से 67,121 करोड़ रुपये थी। सैमसंग ने 71,157 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया है।

वीवो, ओपो और वनप्लस जैसे चीनी ब्रांड किफायती प्रीमियम श्रेणी में 30,000-45,000 रुपये के बीच बेहतर कैमरा सिस्टम आदि की पेशकश करके ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। इस बीच, वनप्लस डिस्प्ले और मदरबोर्ड से संबंधित भारतीय खुदरा विक्रेताओं की चिंताओं को दूर करके वापसी कर रहा है। कंपनी ने 6,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

30,000 रुपये वाले फोन की हिस्सेदारी 20 फीसदी: रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये से ऊपर) के स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 2025 तक 20 प्रतिशत से ज्यादा होने का अनुमान है। प्रीमियमीकरण की ओर बदलाव ग्राहकों द्वारा ऑफ़लाइन स्टोरों को चुनने के कारण भी हो रहा है, जहां वे खरीदारी करने से पहले प्रीमियम स्मार्टफोन का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकते हैं।

पेंशनधारकों को राहत; ईपीएफओ ने देशभर में लागू की केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने देशभर के पेंशनधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। अब वे देश में किसी भी शाखा से अपनी पेंशन की राशि निकाल सकेंगे। ईपीएफओ ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को देशभर में लागू करने का काम पूरा कर लिया है। इसके तहत दिसंबर 2024 के लिए ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

दो पायलट प्रोजेक्ट के बाद देशभर में लागू हुई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली: केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का पहला पायलट प्रोजेक्ट अक्तूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में 49,000 से अधिक ईपीएस पेंशनभोगियों को लगभग 11 करोड़ रुपये के पेंशन वितरण के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ था। दूसरा पायलट प्रोजेक्ट नवंबर 2024 में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में लिया गया, जिसमें 9.3 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 213 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई। इसकी घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा, ईपीएफओ के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का पूर्ण कार्यान्वयन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, यह परिवर्तनकारी पहल के तहत पेंशनभोगी देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन आसानी से हासिल कर सकेंगे।

एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने काइज़न लॉजिस्टिक्स में प्रमुख हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (543910), एक प्रमुख मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्रदाता, ने एम/एस कैजन लॉजिस्टिक्स में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। कैज़न लॉजिस्टिक्स ने खुद को एक विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स साझेदार के रूप में स्थापित किया है, जो सड़क परिवहन, मल्टीमोडल परिवहन, गोदाम सेवाओं सहित विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है, और भारत की कुछ प्रमुख कंपनियों को सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी प्रमुख ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है, जिनमें वेदांता समूह, आदित्य बिर्ला समूह, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड, गुजरात अल्कलीज, मेघमानी फाइनकेम, डीसीएम, केमफैब अल्कलीज, जेएसडब्लू इलेक्ट्रोस्टील, हिंदुस्तान कोका-कोला, वरुण बेवरेजेस और अन्य शामिल हैं। यह अधिग्रहण परिचालन संबंधी लाभ उत्पन्न करेगा, जिससे दोनों कंपनियों को प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स बाजार में एक-दूसरे की ताकतों का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा।

कैज़ेन लॉजिस्टिक्स का अधिग्रहण ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी, पेय पदार्थ, धातु और औद्योगिक रसायनों में उपस्थिति का विस्तार करने में मदद करेगा। संयुक्त इकाई के पास अपने प्रमुख ग्राहकों को अधिक मजबूत और एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बेहतर सेवा देने का अवसर होगा। यह एवीजी लॉजिस्टिक्स को अपनी सेवाओं की पेशकश और ग्राहक आधार का विस्तार करने के लिए भी नए रास्ते खोलेगा, जिससे शेयरधारकों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन होगा।

टाटा मोटर्स ने पंतनगर में कर्मचारियों के आने-जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई

पंतनगर, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने आज उत्तराखंड में अपनी पंतनगर फैक्ट्री में कर्मचारियों के आने-जाने के लिए समर्पित इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। देश में बनाई गई शून्य उत्सर्जन वाली ये बसें नवीनतम सुविधाओं से लैस हैं और उन्नत बैटरी सिस्टम से चलती हैं। टाटा मोटर्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडिएरी, टीएमएल स्मार्ट सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड (टीएससीएमएसएल) आधुनिक टाटा अल्ट्रा 9 मीटर इलेक्ट्रिक बसों के साथ कर्मचारियों के आने-जाने की यह सुविधा प्रदान करेगी।

सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा मुहैया करने के लिए डिज़ाइन की गई, यह ई-बस सेवा 5,000 से अधिक लोगों को स्वच्छ और हरित परिवहन प्रदान करके कार्बन फुटप्रिंट में कटौती करेगी और सालाना 91,100 टन सीओ2 उत्सर्जन की बचत करेगी। 16 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न बिजली इन सभी ई-बसों को चार्ज करेगी, जिससे पूरा परिचालन शुरू से लेकर अंत तक पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड-ऑपरेशंस, श्री विशाल बादशाह ने लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा, कर्मचारियों के आने-जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की पेशकश टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स की 2045 तक नेट-ज़ीरो ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन प्राप्त करने की आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपनी सभी फैक्ट्रियों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए पूरी वैल्यू चेन-सोर्सिंग से लेकर विकास और इंजीनियरिंग से लेकर संचालन तक, सभी में स्थिरता को शामिल किया जाएगा। मुझे पंतनगर में पहली बार इस पहल को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है क्योंकि यह फैक्ट्री की अनेक स्थिरता पहलों की सफलताओं को दिखाता है। यह फैक्ट्री पहले से ही एक प्रमाणित ज़ीरो वेस्टएन टु लैंडफिल सुविधा है और इसे सीआईआई-जीबीसी द्वारा वाटर-पॉज़िटिव प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है। जीरो उत्सर्जन, ई-फ्लीट सेवा का शुभारंभ फैक्ट्री की पर्यावरण की रक्षा करने की यात्रा में एक और प्रमुख उपलब्धि है।'' फुल-इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन द्वारा पावर्ड, टाटा अल्ट्रा ईवी 9 मीटर इलेक्ट्रिक बस रीजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम सहित स्मार्ट सुविधाओं से लैस है।

कार्बन न्यूट्रैलिटी को लेकर दोहराई अपनी प्रतिबद्धता

सैमसंग इंडिया ने बिग टीवी डेज़ कैम्पेन की घोषणा की, एआई-पावर्ड प्रीमियम टीवी की रेंज पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाएं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत का सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने नए साल और गणतंत्र दिवस के मौके पर बिग टीवी डेज़ कैम्पेन लॉन्च किया है। इसमें बड़े स्क्रीन वाले प्रीमियम टीवी पर शानदार ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इनमें नियो क्यूएलईडी 8 के, नियो क्यूएलईडी 4 के, ओएलईडी और 4 के यूएचडी टीवी के मॉडल शामिल हैं। यह कैम्पेन 3 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा।

जो उपभोक्ता अपने घर पर मनोरंजन के अनुभव को और बेहतर बनाना चाहते हैं, वे इस अविश्सवनीय मौके का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग चुनिंदा खरीदारी पर 2,04,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी और 99,990 रुपये तक के मुफ्त साउंडबार्स दे रहा है। सैमसंग के प्रीमियम टीवी देश भर में लोगों के लिए टीवी देखने के अनुभव को

बेहतर बना रहे हैं। यह एआई अपस्केलिंग और शानदार तकनीक से लैस हैं। इनसे तस्वीरें और अधिक स्पष्ट, साफ और असली लगती हैं। नए साल में सैमसंग उपभोक्ताओं को क्रांतिकारी ऑडियो-विजुअल अनुभव देने के लिए तैयार है। ग्राहक 20त तक कैशबैक, ज़ीरो डाउन पेमेंट और 30 महीने तक की सबसे कम ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं।

सैमसंग इंडिया में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर विप्लेश डांग ने कहा, सैमसंग में हम अपने 'बिग टीवी डेज़' कैम्पेन के साथ घरेलू मनोरंजन को एक नई परिभाषा दे रहे हैं। लोगों को एआई से लैस प्रीमियम टीवी पर शानदार डील देकर हम ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। ये टीवी शानदार तस्वीर, जबर्दस्त आवाज और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ आपके लिविंग रूम को सिनेमाहॉल में बदल देते हैं। सैमसंग टीवी दिखने में जितने शानदार और स्टाइलिश हैं, उतने ही सुरक्षित भी हैं। इनमें एक विशेष सुरक्षा प्रणाली सैमसंग नॉक्स होती है, जो आपके डेटा और निजी जानकारी को सुरक्षित रखती है। सैमसंग ग्राहकों को एक नया, बेहतर और और रोमांचक अनुभव प्रदान कर काफी उत्साहित है। इससे उनका टीवी देखने का मजा और भी दोगुना हो जाएगा। नए साल में सैमसंग के इस टीवी की खरीदारी कर यूजर अतिरिक्त लाभ उठा सकते हैं।'' सैमसंग के नए ऑफर्स का उद्देश्य एआई तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाना है, ताकि प्रीमियम टीवी की रेंज को ज्यादा से ज्यादा लोग खरीद सकें। सैमसंग के प्रीमियम एआई टीवी, एआई अपस्केलिंग और एआई ऑप्टिमाइजेशन के साथ आपके टीवी देखने के अनुभव को शानदार बनाते हैं।

खास खबर

बिग बैश लीग के दौरान चोटिल हुए बैनक्रॉफ्ट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैमरून बैनक्रॉफ्ट को बिग बैश लीग (बीबीएल) मैच के दौरान टीम के साथी डेनियल सैम्स के साथ हुई टक्कर में कंधे और नाक की हड्डी टूट गई। उनकी टीम सिडनी थंडर ने शनिवार को उक्त जानकारी दी। शुक्रवार को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैदान में कैच पकड़ने के दौरान हुई भिड़ंत के बाद बैनक्रॉफ्ट और सैम्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भिड़ने के बाद दोनों खिलाड़ी चोटिल हो गए और मैदान पर पड़े रहे। सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट खेले हैं और 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ के मामले में नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किए गए थे, उनकी नाक से खून बह रहा था। ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टी20 मैच खेल चुके सैम्स को अपने साथी 32 वर्षीय खिलाड़ी के साथ सिर टकराने के बाद स्ट्रेचर पर ले जाया गया। टीम ने एक बयान में कहा, सिर में चोट लगने के अलावा, बैनक्रॉफ्ट की नाक और दाहिने कंधे की हड्डी में भी फ्रैक्चर है।

रोहित के साथ दिखाई दी मिस्ट्री गर्ल

नई दिल्ली । रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट मैच में नहीं खेल रहे हैं। भारतीय कप्तान सीरीज के आखिरी और निर्णायक टेस्ट में क्यों नहीं खेल रहे हैं, इस पर उन्होंने चुप्पी तोड़ी है। रोहित ने बताया कि उनके बल्ले से रन नहीं आ रहे थे इसलिए उन्होंने खुद ही टेस्ट में नहीं खेलने का फैसला लिया है। इस बीच रोहित को सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन ड्रेसिंग रूम में मिस्ट्री गर्ल के साथ देखा गया। रोहित उस मिस्ट्री गर्ल से बातें करने में लगे हुए थे। इसके बाद लोगों के बीच ये चर्चा शुरू हो गई कि ये मिस्ट्री गर्ल आखिर है कौन? और भारतीय ड्रेसिंग रूम में कैसे पहुंच गई।दरअसल रोहित के साथ दिखी महिला का नाम रजल अरोड़ा है। रजल टीम इंडिया के सपोर्ट स?टाफ का हिस?सा हैं। वे टीम में एकमात्र महिला सदस्य हैं। रजल टीम इंडिया की जनसंपर्क अधिकारी हैं। वे मीडिया और टीम इंडिया के क्रिकेटर्स के बीच तालमेल बैठाती हैं। साल 2015 से ही रजल बीसीसीआई के साथ काम कर रही हैं।

भारतीय टीम की हालत से दुखी होंगे द्रविड़

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड टीम की अभी की हालत देखकर दुखी होंगे। उन्होंने विश्व विजेता के तौर पर टीम को छोड़ा था और उनके जाने के बाद टीम की क्या हालत हो गयी। वह श्रीलंका में एकदिवसीय हारी जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर उसे 3-0 से हार टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। अब ऑस्ट्रेलिया में 1-2 से पिछड़ी हुई है, जबकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से तकरीबन बाहर हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर रोहित शर्मा भी सोच रहे होंगे कि अगर द्रविड़ एक साल और कोच रहते तो अच्छा रहता। द्रविड़ के कोच रहते भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, एकदिवसीय विश्वक के फाइनल में पहुंची थी जबकि टी20 विश्वकप उसने जीता था।

सिडनी टेस्टः भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट

- भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हुई

एजेंसी

सिडनी। भारत ने यहां शनिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 8 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत के अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई और भारत को पहली पारी के आधार पर 4 रनों की बढ़त हासिल हुई। दूसरी पारी में भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने सधी शुरूआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने मिचेल स्टॉर्क को पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। दोनों ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसी स्कोर पर बोलैंड ने केएल राहुल (13) को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल के आउट होने के बाद जायसवाल भी चलते बने। 47 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने उन्हें बोल्ड कर दिया। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 59 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर बोलैंड का तीसरा शिकार बने। 78 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल वेबस्टर को बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में स्टॉक बोलैंड ने 4, पैट कमिंस और वेबस्टर ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी, ब्यू वेबस्टर का अर्धशतक सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

पंत ने 28 गेंदों में पूरा किया अपना अर्धशतक

दूसरी ओर पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करनी शुरू की और केवल 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अगली ही गेंद पर एक और जोरदार छक्का जड़ा। 124 के कुल स्कोर पर पैट कमिंस ने पंत की इस आतिशी पारी का अंत किया। पंत ने केवल 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाए। पंत के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी भी कुछ खास नहीं कर सके और 129 के कुल स्कोर पर केवल 4 रन बनाकर बोलैंड का चौथा शिकार बने। इसके बाद सुंदर (नाबाद 6) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 8) ने दिन का खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। भारत की कुल बढ़त 145 रनों की हो गई है।

हरियाणा ग्लेडिएटर्स में शामिल हुए हरभजन सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडिएटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन का अनुभव निश्चित तौर पर ग्लेडिएटर्स के बहुत काम आने वाला है। इसके अलावा टीम में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को भी शामिल किया गया है। हरियाणा ग्लेडिएटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है। टीम के बारे में शुभ इंफ्रा के निदेशक हरीश गर्ग ने एक बयान में कहा कि हरियाणा ग्लेडिएटर्स साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के मूल्यों पर बनी है। हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हरभजन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी के नेतृत्व में हमारी टीम सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी। शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे पहले पिछले महीने हरियाणा ग्लेडिएटर्स ने अपनी टीम के लोगो का अनावरण किया था। दहाड़ते हुए शेर से सजा लोगो साहस, शक्ति और लचीलेपन की शानदार छवि दर्शाता है। लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है, जो न केवल क्रिकेट को नए तौर पर परिभाषित करता है, बल्कि क्रिकेट के पूर्व दिग्गजों का ऐसा उत्सव है, जो उन्हें फिर से उसी गौरव का अनुभव कराता है, जो कभी हुआ करता था।

जोकोविच को ओपेल्का ने सीधे सेटों में हराया

एजेंसी

ब्रिस्बेन। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार मिली। अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। 47 साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरूआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं। ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है। कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है। ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी। पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह बनाई।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रह सकते हैं बुमराह

एजेंसी

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम इस साल इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पर इसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शायद ही खेलें। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के कारण इस सीरीज से बाहर रहना पड़ सकता है। बुमराह के अलावा रोहित शर्मा और विराट भी इस सीरीज से बाहर रह सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत की ये आखिरी 50 ओवर की सीरीज होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह को इसलिए आराम दिया जाएगा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह से फिट रहें। बुमराह पिछले कुछ समय से लगाता खेल रहे हैं जिसके उनके चोटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। वहीं विराट और रोहित का प्रदर्शन टी20 विश्वकप के बाद से ही अच्छा नहीं रहा है। ऐसें में चयनर्ता इस सीरीज के लिए भी इन्हें आराम देकर युवा खिलाड़ियों का आजमा सकते हैं।

करुण नायर ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

विजयनगरम । विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में करुण नायर ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए लिस्ट ए क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। विदर्भ के बल्लेबाज करुण नायर ने न्यूजीलैंड के जेम्स फ्रैंकलिन के 2010 में बनाए गए 527 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 542 रनों का आंकड़ा छू लिया। इस ऐतिहासिक पारी के दौरान करुण ने 112 रन बनाए और लगातार तीन शतक जड़कर अपनी जबरदस्त फॉर्म का प्रदर्शन किया। विदर्भ ने उत्तर प्रदेश के 307 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार खेल दिखाया। करुण और यश राठौड़ की 228 रनों की साझेदारी टीम की जीत की नींव बनी। यश राठौड़ ने नाबाद 138 रन बनाए, जिससे विदर्भ ने केवल 47.2 ओवर में दो विकेट खोकर 313 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की।

सिद्धू ने की रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने की आलोचना

एजेंसी

नई दिल्ली । सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक टेस्ट मैच से रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने के फैसले की पूर्व भारतीय क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने आलोचना की है। कप्तान रोहित शर्मा ने सिडनी टेस्ट में आराम करने का विकल्प चुना, और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी सौंपी गई। हालांकि, सिद्धू ने इस निर्णय को भारतीय क्रिकेट इतिहास में अभूतपूर्व बताते हुए इसे गलत संदेश देने वाला कदम करार दिया। सिद्धू का मानना है कि कप्तान को कभी भी बीच सीरीज में नहीं हटाया जाना चाहिए और न ही उसे बाहर होने का विकल्प दिया जाना चाहिए। उन्होंने मार्क टेलर और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे पिछले कप्तानों का उदाहरण देते हुए कहा कि खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें कप्तानी का समर्थन मिला था। सिद्धू ने कहा कि रोहित शर्मा भी ऐसे ही सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। उन्होंने इस फैसले को विचित्र बताते हुए तर्क दिया कि इस तरह का कदम टीम पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। रोहित शर्मा की कप्तानी में हाल के दिनों में भारतीय टीम के प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली है। टीम ने उनके नेतृत्व में अपने पिछले छह टेस्ट मैचों में से पांच में हार का सामना किया, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 की हार भी शामिल है। इस हार ने भारतीय क्रिकेट में 12 साल के अजेय घरेलू रिकॉर्ड को समाप्त कर दिया। हालांकि, सिद्धू सहित कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस खराब दौर के बावजूद कप्तान को दरकिनार करना टीम और क्रिकेट समुदाय को गलत संदेश देता है। सिद्धू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी बात रखते हुए लिखा, एक गिरे हुए प्रकाशस्तंभ की तुलना में एक चट्टान अधिक खतरनाक है!

उन्होंने कहा कि प्रबंधन को खिलाड़ियों और कप्तानों में विश्वास बनाए रखना चाहिए। सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारतीय टीम संघर्ष करती नजर आई और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में केवल 185 रन ही बना सकी। हालांकि, बुमराह की कप्तानी में टीम ने वापसी की उम्मीद जगाई, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को सिर्फ 2 रन पर आउट कर दिया। यह विवाद भारतीय क्रिकेट में नेतृत्व और प्रबंधन के तरीकों पर एक नई बहस को जन्म देता है।

पोंटिंग ने भारतीय खेमे की बयानबाजी पर जताई हैरानी

एजेंसी

सिडनी । बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय खेमे की बयानबाजी पर हैरानी जताई। मैच की शुरूआत में बुमराह ने टॉस के दौरान बताया कि रोहित ने आराम करने का विकल्प चुना है। इस पर पोंटिंग ने कहा, यह अप्रत्याशित नहीं था, लेकिन जिस तरह इसे प्रस्तुत किया गया, वह हैरानी भरा था। रोहित लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के लिए महान खिलाड़ी रहे हैं, और इतने बड़े मैच में उनका बाहर होना निश्चित रूप से चौंकाने वाला है। रोहित शर्मा के हालिया खराब फॉर्म के मद्देनजर इस निर्णय को जायज ठहराते हुए पोंटिंग ने कहा, परिस्थितियों को देखते हुए यह सही कदम था। लेकिन इतने महत्वपूर्ण मैच में एक अनुभवी खिलाड़ी का बाहर होना और उस पर खेमे से आई टिप्पणियां वाकई अजीब थीं। इस फैसले के बाद युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने टीम में वापसी की है। भारतीय टीम इस निर्णायक टेस्ट को जीतकर श्रृंखला को 2-2 से बराबर करने और ट्रॉफी बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। पोंटिंग ने भारतीय खेमे से आई खबरों पर भरोसा जताने की बात कही लेकिन साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसे बड़े मैचों में अनुभवी खिलाड़ियों की उपस्थिति महत्वपूर्ण होती है। इतना बड़ा मैच और ट्रॉफी दांव पर होने के बावजूद इस फैसले का समय काफी दिलचस्प है, उन्होंने कहा। अब देखना होगा कि भारतीय टीम रोहित की अनुपस्थिति में इस अहम मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करती है। बता दें कि रोहित शर्मा ने सिडनी टेस्ट से आराम करने का फैसला किया, और उनकी जगह जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी संभाली।

लवलीना अब खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाएंगी

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे। एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।

मेहदी हसन ने बांग्लादेश टी-20 टीम की कप्तानी के लिए पेश की दावेदारी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी मेहदी हसन ने टी-20 कप्तानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि अगर मौका मिलता है तो वह इसका लुत्फ उठाने के लिए तैयार हैं। यह घोषणा बीसीबी अध्यक्ष फारुक अहमद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे नए टी-20 कप्तान की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि नजमुल हुसैन सबसे छोटे प्रारूप में टीम का नेतृत्व नहीं करना चाहते हैं। फारूक ने शुक्रवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, श्चोट के कारण शांतो टीम से बाहर हो गए हैं और अगर वह वापस आते हैं तो वह कप्तान (टेस्ट और वनडे में) के रूप में वापसी करेंगे। उन्होंने हमें बताया कि वह टी-20 कप्तान के रूप में सहज नहीं हैं और हम इस पद के लिए किसी और के बारे में सोच रहे हैं। चूंकि हमें छह महीने बाद टी-20 खेलना है, इसलिए यह तत्काल मुद्दा नहीं है और हम इसके बारे में बाद में सोच सकते हैं, इसलिए हम इसके लिए इंतजार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा सोचता हूं कि कप्तानी करने वाले क्रिकेट दिमाग और फॉर्म के बीच कोई संबंध नहीं है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक फॉर्म में नहीं है तो यह चिंता का विषय है। हालांकि वह (लिटन) कप्तान के रूप में फॉर्म में नहीं आ सके, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और यह एक कप्तान का सबसे बड़ा गुण है कि उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उनकी कप्तानी को प्रभावित नहीं कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ही फॉर्म में लौट आएंगे और जब हम कप्तानी के बारे में बात करेंगे तो वह सबसे आगे होंगे। जब फारुक एसबीएनएस प्रेस बॉक्स में अचानक आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे, तब मेहदी हसन, जिन्होंने वेस्टइंडीज में टेस्ट और वनडे में अंतरिम कप्तान की भूमिका निभाई थी, क्योंकि नजमुल चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे, ढाका कैपिटल्स के खिलाफ खुलना टाइगर्स की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने अपने मैन-ऑफ-द-मैच प्रदर्शन के साथ अपनी टीम को 20 रन से जीत दिलाने में मदद की - अपने चार ओवरों में छह रन देकर तीन विकेट चटकाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह टी20 कप्तानी के लिए तैयार हैं, तो मेहदी इस संभावना से उत्साहित दिखे। मेहदी ने कहा, देखिए, जब अवसर आता है तो उसका आनंद लेना महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि मैंने वेस्टइंडीज में भी कप्तानी की है और यहां भी कर रहा हूं और यह (टीम का नेतृत्व करना) मेरे लिए नया नहीं है। कप्तानी करना एक आदत की तरह है और अगर आप लंबे समय तक अंतराल देते हैं तो आपको निर्णय लेने में थोड़ा अधिक सोचना पड़ सकता है, लेकिन अगर आप इसमें बने रहते हैं (कप्तानी करते हैं) तो आप कुछ अच्छे निर्णय ले सकते हैं जैसे कि आप सुधार कर सकते हैं, आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं हमेशा इसका (कप्तानी) आनंद लेने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा, श्टी20 में आपको बहुत जल्दी निर्णय लेने होते हैं और आईसीसी के नए नियमों के अनुसार एक मिनट के भीतर ओवर बदलना और गेंदबाजी शुरू करना मुश्किल है, जैसे कि आपको फील्ड सेट करने में बहुत समय लगता है और ऐसा करना मुश्किल है और इसलिए जल्दी से निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

चेकिया की कैरोलिना मुचोवा ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में अपने क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान इटली की जैस्मीन पाओलिनी के लिए अपने पैरों के बीच एक शॉट खेला।

क्या होता है कल्पवास?

जानें महाकुंभ में इसके नियम

कल्पवास का अर्थ है कि एक महीने तक संगम के तट पर रहकर वेदाध्ययन, ध्यान और पूजा में संलग्न रहना। इस साल महाकुंभ के दौरान पौष मास के 11वें दिन से कल्पवास का आरंभ होगा और माघ मास के 12वें दिन तक इसका पालन किया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ प्रारंभ होने वाले एक माह के कल्पवास से उतना पुण्य मिलता है, जितना एक कल्प में, जो ब्रह्म देव के एक दिवस के बराबर है।

महाकुंभ का आरंभ 13 जनवरी, दिन सोमवार से हो रहा है। इस दिन पौष माह की पूर्णिमा भी पड़ रही है। ऐसे में इस तिथि को महत्व और भी बढ़ जाता है। वहीं, महाकुंभ का समापन 26 फरवरी, दिन बुधवार को महाशिवरात्रि के साथ होगा। महाकुंभ के दौरान लोग कल्पवास का नियम लेकर उसका पूरी श्रद्धा से पालन करते हैं। माना जाता है कि जिस व्यक्ति ने महा कुंभ के दौरान कल्पवास का निवाहन कर लिया उसे साक्षात भगवान की कृपा प्राप्त होती है और उसके जीवन में सुख-समृधि, सौभाग्य, संपन्नता औ सकारात्मकता का वास स्थापित होता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि क्या होता है कल्पवास, क्या है इसका महत्व और इससे जुड़े नियम।

कल्पवास के दौरान प्रयाग में संगम के तट पर भक्त कुछ विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए एक माह तक रहते हैं। कुछ लोग मकर संक्रांति से भी कल्पवास की शुरुआत करते हैं। मान्यता है कि कल्पवास मनुष्य के आध्यात्मिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन है। संगम पर माघ मास के पूरे महीने निवास कर पुण्य फल प्राप्त करने की इस साधना को कल्पवास कहा जाता है। कहा जाता है कि कल्पवास करने से इच्छित फल प्राप्त होने के साथ-साथ जन्म-जन्मांतर के बंधनों से मुक्ति मिलती है। महाभारत के अनुसार, माघ माह में कल्पवास करने से उतना पुण्य प्राप्त होता है, जितना सौ वर्षों तक बिना अन्न ग्रहण किए तपस्या करने से मिलता है। इस अवधि में श्वेत या पीले रंग के शुद्ध वस्त्र पहनना उचित होता है। कल्पवास का सबसे कम समय एक रात होता है। इससे ज्यादा की संख्या तीन रात, तीन महीने, छह महीने, छह साल, बारह साल या जीवनभर की भी होती है।

क्या हैं कल्पवास के नियम?

पद्म पुराण में महर्षि दत्तात्रेय द्वारा बताये गए कल्पवास के नियमों के अनुसार, जो लोग 45 दिन तक कल्पवास में रहते हैं उनके लिए 21 नियमों का पालन करना आवश्यक है। ये 21 नियम हैं : सत्यवचन का पालन, अहिंसा का अभ्यास, इन्द्रियों पर नियंत्रण, सभी प्राणियों पर दयाभाव, ब्रह्मचर्य का पालन, व्यसनों का त्याग, ब्रह्म मुहूर्त में जागना, नित्य तीन बार पवित्र नदी में स्नान करना, त्रिकाल संध्या का ध्यान, पितरों का पिण्डदान, दान। अन्तर्मुखी जप, सत्संग का आयोजन, संकल्पित क्षेत्र के बाहर न जाना, किसी की निंदा न करना, साधु-सन्यासियों की सेवा करना, जप और संकीर्तन में संलग्न रहना, एक समय भोजन करना, भूमि शयन करना, अग्नि सेवन न कराना, देव पूजन करना। इन नियमों में से सबसे अधिक महत्वपूर्ण ब्रह्मचर्य, व्रत, उपवास, देव पूजन, सत्संग और दान माने गए हैं। पद्म पुराण में ये भी व्रणित है कि कल्पवास सिर्फ साधु-संत ही नहीं बल्कि गृहस्थ लोग भी कर सकते हैं।

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा है। लोग अक्सर शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान कुछ और नहीं तो कम से कम अगरबत्ती या धूप की धूनी घर में जरूर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि धूनी देने से घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और घर में सुख-शांति और पॉजिटिविटी का संचार होता है। हालांकि धूनी देने का महत्व केवल धार्मिक मान्यताओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेहत के लिए भी इसके ढेरों फायदे हैं। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें रोज शाम घर में जलाने से नेगेटिविटी तो दूर होती ही है, साथ ही ये फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिहाज से भी काफी फायदेमंद होते हैं। तो चलिए आज कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में जानते हैं, जिनका धुआं आपको शाम के समय जरूर करना चाहिए।

नीम के पत्तों की धूनी

रोज शाम घर में नीम के पत्तों की धूनी देना भी काफी फायदेमंद होता है। नीम के एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण घर में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके अलावा नीम के पत्तों की धूनी देने से मानसिक तनाव से भी छुटकारा मिलता है और दिमाग शांत होता है। ऐसा कहा जाता है कि नीम में नेगेटिविटी को सोखने की शक्ति होती है, ऐसे में ये घर में मौजूद नेगेटिविटी को दूर कर एक सकारात्मक और खुशनुमा माहौल बनाने में मदद करता है।

लोबान की धूनी

लोबान या लोहबान का इस्तेमाल अधिकतर पूजा-पाठ और झाड़-फूंक में किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि रोज शाम थोड़ी सी लोबान जलाने से घर की नेगेटिविटी दूर होती है। आयुर्वेद के मुताबिक यदि किसी को सांस फुलने की समस्या है तो गोबर के उपले के ऊपर जरा सी लोबान, गूगल और घी डालकर जलाएं। इसकी धूनी सांस फुलने की समस्या में काफी फायदे कर सकती है। इसके अलावा लोबान की धूनी मानसिक शांति भी प्रदान करती है और मन से नेगेटिव विचारों को दूर करती है।

घर में जलाएं कपूर और लौंग

शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान लौंग और कपूर जलाने की परंपरा काफी सदियों पुरानी है। आज भी बड़े-बुजुर्ग शाम के समय घर के दीपक में कपूर और लौंग जलाकर उसकी धूनी देते हैं। इन दोनों में ही एंटी-बैक्टिरियल गुण पाए जाते हैं, जिसकी वजह से घर में मौजूद रोगाणुओं का नाश होता है और सेहत को भी काफी फायदा पहुंचता है। कपूर और लौंग की खुशबू स्ट्रेस बस्टर की तरह भी काम करती है। ऐसे में शाम को कपूर और लौंग की धूनी देने से मानसिक शांति भी मिलती है।

तेज पत्ते का धुआं भी है काफी फायदेमंद

रसोई में रखे तेज पत्ते का धुआं करने से भी काफी फायदा मिलता है। इसका स्ट्रांग अरोमा माइंड को रिलैक्स कर स्ट्रेस कम करने में मदद करता है। इसके अलावा तेज पत्ते का धुआं इन्हेल करने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। साथ ही इसमें नेचुरल एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन कम करने में भी काफी फायदेमंद होते हैं। रोज शाम तेज पत्ते की धूनी देने से घर की नेगेटिविटी भी दूर होती है और एक सकारात्मक और खुशनूमा माहौल बना रहता है।

सर्दियों में मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए करें ये काम

सेहतमंद रहने के लिए मेटाबॉलिज्म का फास्ट होना जरूरी है। मेटाबॉलिज्म वह प्रोसेस है जो हमारे द्वारा ग्रहण की कैलोरी को जलाकर उसे ऊर्जा में बदलने का काम करता है। मेटाबॉलिज्म स्लो होने से पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। वजन बढ़ सकता है वहीं अक्सर सर्दियों में में हम स्लो मेटाबॉलिज्म का सामना करते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका मेटाबॉलिज्म सुचारू रूप से काम करें तो हम आपको 5 ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको फायदा मिल सकता है।

▸▸ सर्दियों में गर्म पानी पिएं, इसके साथ ही आप हर्बल चाय पिएं, इससे शरीर में गर्मी भी बनी रहती है और मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट होता है।

▸▸ सर्दियों में प्रोटीन युक्त आहार जैसे अंडे, मांस, पनीर वगैरह लेने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। शरीर प्रोटीन को पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। इसके लिए शरीर अधिक ऊर्जा की मांग करता है,इससे मेटाबॉलिज्म स्वाभाविक रूप से बढ़ता है।

▸▸ सर्दियों में हमारी गतिविधि कम हो जाती है। इस वजह से मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। ऐसे में आप एक्सरसाइज करें, योग, स्ट्रेचिंग, वेट लिफ्ट, या वॉक करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, इससे मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। इससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।

▸▸ इसके अलावा आप 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लें, इससे शरीर के सेल्स रिपेयर होते हैं, हार्मोन नियंत्रण में रहता है, ऊर्जा के स्तर में बढ़ावा होता है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। दरअसल इसे ऐसे समझा जा सकता है कि जब आप कम देर सोते हैं या रात में जागे रहते हैं तो आप बेवजह स्नैकिंग करते हैं जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करते हैं, इससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, नींद की कमी से सुस्ती रहती है।

जींस में न्यू लुक पाने के लिए स्टाइल करें ये फुल स्लीव्स वाली कुर्ती

कुर्ती कई सारे खास मौके पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है साथ ही महिलाएं इन्हें जींस के साथ भी स्टाइल करना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप जींस में न्यू लुक चाहती हैं साथ ही ये भी चाहती हैं कि आपका लुक ब्यूटीफुल नजर आए तो आप फुल स्लीव्स वाली कुर्ती जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। फुल स्लीव्स वाली कुर्ती न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। वहीं जींस के साथ इस तरह की कुर्ती को वियर करने के बाद आपका लुक बेहद ही अलग नजर आएगा।

साइड कट फुल स्लीव्स वाली कुर्ती

न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह की कुर्ती जींस के साथ वियर कर सकती हैं। यह कुर्ती साइड कट और फुल स्लीव्स में है और इस तरह की कुर्ती में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह की न्यू डिजाइन वाली कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएगा और इसे आप 1,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती के साथ आप झुमके और फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ती

न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड कुर्ती भी स्टाइल कर सकती हैं। यह कुर्ती प्रिंटेड डिजाइन में है और इस तरह की कुर्ती को आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों पर 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में मिल सकती हैं। इस कुर्ती को आप ब्लैक जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसी के साथ इस कुर्ती के साथ आप फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

कॉटन कुर्ती

फुल स्लीव्स में आप इस तरह की कुर्ती भी स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं और इस कुर्ती में आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर में मिल सकती हैं जो आप न्यू लुक पाने के लिए जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

जानिए किन विटामिन्स की वजह से झड़ते हैं बाल

पुरुष हो या महिला, बाल झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। बाल झड़ने और उनके डैमेज होने के कई कारण हो सकते हैं। लोग हेयर फॉल रोकने के लिए क्या कुछ नहीं करते। कोई तेल लगाता है तो कोई दवाएं खाता है; पर हेयर एक्सपर्ट कहते हैं कि बालों को ठीक करने के लिए उनको अंदर व बाहर से पोषण देना बहुत जरूरी है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि किन विटामिन्स की कमी से बाल झड़ने शुरू होते हैं...

बालों के लिए जरूरी विटामिन्स

विटामिन डी- विटामिन डी की कमी से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है। कैल्शियम और फॉस्फेट बनने में कमी हो तो बालों के विकास में बाधा आ जाती है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं। इसके लिए सुबह की धूप में बैठें।

विटामिन ए- विटामिन ए सीबम का उत्पादन करने में मददगार होता है। अगर शरीर में इसका उत्पादन ना हो या बाधित हो तो स्कैल्प में रूखापन आ जाता है। इसके लिए गाजर, पालक, ब्रोकोली, शकरकंद, अंडे, डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

बी कॉम्प्लेक्स- ये विटामिन अमीनो एसिड बनाता है। रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में भी योगदान करता है। इसकी कमी हो तो बाल खराब होने लगते हैं। इसके लिए डाइट में दूध, केले, दही, ड्राई फ्रूट्स, अंडे आदि शामिल करें।

विटामिन सी- स्किन और बालों पर विटामिन सी का बहुत असर होता है। विटामिन सी की कमी हो,तो स्किन से चमक चली जाती है और बाल बेजान होने लगते हैं। इसके लिए नींबू, कीवी, संतरा आदि को डाइट में शामिल करें।

विटामिन बी12- शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो बाल झड़ने लगते हैं। इसके लिए दूध व दूध से बने उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करना क्यों है बेहद जरूरी

स्ट्रेचिंग करने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं

मसल्स को करें रिलैक्स: स्ट्रेचिंग करना वर्कआउट के बाद मसल्स को रिलैक्स करने का एक बेहतर तरीका है। जब भी हम वर्कआउट करते हैं तो उसके बाद मसल्स टाइट महसूस होने लगती हैं। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स रिलैक्स हो जाती हैं और साथ-साथ फ्लेक्सिबिलिटी भी बढ़ती है, जिससे आप काफी आराम महसूस करती हैं।

वर्कआउट सोरनेस को करे कम: वर्कआउट सोरनेस एक आम समस्या है, जिसका सामना हम सभी करते हैं। आपने महसूस किया होगा कि वर्कआउट करने के बाद अगले दिन या दो दिन बाद शरीर में बहुत अधिक दर्द व टाइटनस का अहसास होता है। यह वास्तव में वर्कआउट के बाद मसल्स में होने वाली सोरनेस है। लेकिन जब आप वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपको काफी मदद मिलती है। ऐसा इसलिए है, ये ब्लड फ्लो को बढ़ाता है और आपकी मसल्स को आराम पहुंचाकर सोरनेस को कम करता है।

बेहतर होता है पोश्चर: आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन स्ट्रेचिंग से आपके बॉडी पोश्चर पर भी काफी असर पड़ता है। अगर आपकी मसल में टाइटनेस है तो इससे आपका पोश्चर बिगड़ सकता है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपके शोल्डर, नेक और बैक एरिया की टेंशन रिलीज होती है। इस तरह आपका पोश्चर बेहतर होता है और आपको गलत पोश्चर की वजह से होने वाले दर्द की शिकायत नहीं होती।

चोटों से होता है बचाव: स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। दरअसल, जब मसल्स टाइट होती हैं, तो उन्हें चोट लगने का खतरा ज्यादा होता है। इस स्थिति में स्ट्रेन या पुल्स आदि की संभावना रहती है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स की फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है और आप रोजाना की मूवमेंट्स बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

गेंदे के पौधे को हरा-भरा और हेल्दी रखने के उपाय

सर्दियों का मौसम गेंदे के पौधे में भर-भर कर फूल आते हैं। इसलिए अक्सर लोग इसकी अच्छी केयर करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, कुछ लोग घर और ऑफिस के कामों में इतने उलझ जाते हैं कि कभी-कभी वे पौधे की अच्छी देखभाल नहीं कर पाते हैं, जिससे गेंदे का पौधा सूखने लगता है और उसमें फूल आने भी बंद हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आज हम आपको गेंदे के पौधे की सही देखभाल के लिए एक ऐसा तरीका बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करते ही आपको पॉजिटिव असर दिखने लग सकता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं गेंदे के पौधे के लिए सरसों, पालक और पानी के घोल डालने की, जो पौधे की ग्रोथ के लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि ऐसा करने से पौधे पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

गेंदे के लाल, पीले और नारंगी फूल दिखने में इतने खूबसूरत लगते हैं कि हर कोई अपने गार्डन में इसे लगाना पसंद करते हैं। यह न सिर्फ बालकनी और बगीचे की खूबसूरती बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि यह अपनी खुशबू से घर में सकारात्मकता का संचार भी करते हैं।

सरसों का पाउडर या खली – पौधे को नाइट्रोजन और जरूरी पोषक तत्व देने के लिए।

पालक के पत्ते – इसमें आयरन और मिनरल्स होते हैं जो मिट्टी की गुणवत्ता सुधारते हैं।

पानी – घोल को तैयार करने के लिए।

घोल बनाने का तरीका

एक लीटर पानी में 50-60 ग्राम सरसों की खली डालें। इसे 24 घंटे के लिए छोड़ दें ताकि यह पूरी तरह से घुल जाए। ताजे पालक के पत्तों को ब्लेंडर में पीसकर इसका 100 मिलीलीटर रस निकाल लें। सरसों के खली वाले पानी में पालक का रस मिला दें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं।

गेंदे की जड़ों में ऐसे डालें यह होममेड घोल

- इस घोल को सीधे गेंदे के पौधे की जड़ों में डालें।
- ध्यान रखें कि मात्रा सीमित हो, हर पौधे में 200-300 मिलीलीटर घोल डालें।
- यह घोल हर 15 दिनों में एक बार डाल सकते हैं।
- ज्यादा मात्रा या बार-बार डालने से पौधे को नुकसान हो सकता है।

'मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं'

जाह्नवी कपूर के साथ काम नहीं करना चाहते राम गोपाल वर्मा

डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने कई फिल्में बनाई हैं जिन्हें काफी पसंद किया गया। इसके अलावा वह अपने बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। अब राम गोपाल वर्मा ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और उनकी एक्ट्रेस बेटी जाह्नवी कपूर को लेकर बयान दिया है जो चर्चा में आ गया है। दरअसल, ये बात जगजाहिर कि राम गोपाल वर्मा की पसंदीदा एक्ट्रेस में श्रीदेवी रही हैं और अब उन्होंने उनकी बेटी जाह्नवी कपूर को लेकर कहा है कि वह उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं. आइए जानते हैं कि फिल्ममेकर ने क्या कहा है।

राम गोपाल वर्मा ने अपने चैनल कहा है कि उन्हें अभी तक जाह्नवी में श्रीदेवी नजर नहीं आई।'क्षण क्षणम' और 'गोविंदा गोविंदा' में दिवंगत अभिनेत्री के साथ काम करने वाले डायरेक्टर ने कहा कि श्रीदेवी के टैलेंट के वो फैन हो गए थे,उन्होंने कहा,'चाहे वह पदहारेला वायासु हो या वंसत कोकिला, उन्होंने बहुत ही दमदर परफॉर्मेंस दी। उनके काम को देखकर मैं भूल गया कि मैं एक फिल्ममेकर था और मैंने ऑडियंस के तौर पर देखना शुरू कर दिया। ये उनकी रेंज थी।' राम गोपाल वर्मा ने श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर को लेकर कहा कि वह उन्हें अच्छी नहीं लगती हैं। फिल्ममेकर ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में किसी कई एक्ट्रेसेस के साथ खास कनेक्शन नहीं बनाया और इसलिए उनका जाह्नवी कपूर के साथ काम करने का कोई इरादा नहीं है।

निक्की तंबोली

के लेटेस्ट फोटोज देख उड़ जाएगी रातों की नींद

'बिग बॉस मराठी' विनर एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी बोल्डनेस से फैंस के होश उड़ा देती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फोटोज अक्सर फैंस के साथ साझा करते हैं। बता दें कि फिलहाल निक्की तंबोली दुबई में है और बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल के साथ वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन के कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें निक्की रेड ब्रालेट में कहर ढा रही हैं।

निक्की तंबोली रेड कलर की ब्रालेट के साथ व्हाइट पैंट पहनें दिख रही हैं। फोटो में एक्ट्रेस अपनी कमर पर हाथ रखकर पोज दे रही हैं। निक्की तंबोली रेड आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं।

निक्की तंबोली साउथ की फिल्म 'कंचना' में नजर आई थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद वह सलमान के रियलिटी शो बिग बॉस का भी हिस्सा बनी थीं।

रुपाली गांगुली जल्द छोड़ेंगी 'अनुपमा'

स्टार प्लस का फेमस शो 'अनुपमा' लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो में अब राही, माही और प्रेम की कहानी चल रही है, जो दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। हालांकि इस सीरियल की टीआरपी में अब थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इसी बीच 'अनुपमा' से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शो की लीड एक्ट्रेस रुपाली गांगुली अब जल्द ही 'अनुपमा' को छोड़ने वाली हैं। सीरियल से जुड़े सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि रुपाली जल्द ही यह शो छोड़ देंगी।

इस वजह से रुपाली गांगुली छोड़ रहीं 'अनुपमा'

एक रिपोर्ट के अनुसार एक्ट्रेस रुपाली गांगुली 3 महीने के भीतर ही अनुपमा शो को छोड़ देंगी। सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि शो में 15 साल का लीप आने वाला है, जिसमें नए लीड कैरेक्टर्स जैसे शिवम खजुरिया और अद्रिजा रॉय को इंट्रोड्यूस करवाया जाएगा। उन्होंने कहा,'एक बार प्रेम और राही के बीच मजबूत लव एंगल डब्लप हो जाए, इसके बाद रुपाली इस शो को छोड़ देंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'उनकी एग्जिट अगले तीन महीनों में कभी भी हो सकती है।' फिलहाल मेकर्स शो में प्रेम, राही और माही के लव ट्रायंगल पर फोकस कर रहे हैं और इस वजह से रुपाली के सीन्स को भी एपिसोड्स में कम कर दिया गया है। बता दें कि एक्ट्रेस रुपाली गांगुली से पहले शो में राही का किरदार निभा रहीं अलीशा परवीन को रिप्लेस कर दिया गया था और उनकी जगह अद्रिजा रॉय ने ली थी।

रवीना ने कही थी गोविंदा से शादी की बात

एक्टर की पत्नी सुनीता ने दिया ये रिप्लाई

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा फिल्मी दुनिया में भले ही एक्टिव ना हों लेकिन वह अक्सर चर्चा में रहती हैं। अब अपने बेबाकी भरे अंदाज के लिए काफी मशहूर हैं। सुनीता आहूजा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तमाम बातें बताई हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पति गोविंदा की को-एक्ट्रेसेस रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी को लेकर भी बात की है। सुनीता आहूजा ने वो किस्सा बताया जब रवीना टंडन ने उनके पति के साथ शादी की बात की थी। आइए जानते हैं कि गोविंदा की पत्नी ने क्या कहा है।

सुनीता आहूजा ने रवीना टंडन को दिया ये रिप्लाई

सुनीता आहूजा ने अपने पति गोविंदा को लेकर भी बात की. उनसे सवाल किया गया कि क्या गोविंदा की किसी को-एक्ट्रेस ने उनके साथ फ्लर्ट किया या शादी करने की बात की? इस पर सुनीता आहूजा ने कहा, 'रवीना अभी भी बोलती है कि चीची (गोविंदा) तू मुझसे पहले मिलता, तो मैं तेरे से शादी करती.' इस पर सुनीता आहूजा ने अपना रिएक्शन शेयर किया, 'मैंने कहा ले जा, पता चलेगा तेरे को।' बताते चलें गोविंदा और रवीना टंडन ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है और फैंस को दोनों की जोड़ी काफी पसंद आती थी।

सुनीता आहूजा ने की गोविंदा के अफेयर को लेकर की बात

सुनीता आहूजा ने इंटरव्यू के दौरान अपने पति गोविंदा को लेकर कहा, 'मैं हमारी शादी से पहले बहुत सेफ हुआ थी करती, अब नहीं हूं। क्या है ना 60 के बाद लोग सठिया जाते हैं. उनकी उम्र 60 पार हो गई है, पता ही नहीं चलता है कि वह क्या करते हैं। मुझे फर्क नहीं पड़ता था पहले, लेकिन अब जब वह 60 साल से ज्यादा के हो गए हैं, तो मुझे डर लगता है। जब वह यंग थे तो इतना काम करते थे कि उनके पास अफेयर्स के लिए समय नहीं था, लेकिन अब मुझे डर लगता है, खाली बैठा है कुछ कर ना डाले।'

तलाक की अफवाहों को दरकिनार कर फिर साथ दिखे अभिषेक-ऐश्वर्या

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय पिछले साल काफी ज्यादा सुर्खियों में रहे। दोनों को लेकर कई बार कयास लगे कि यह जोड़ा जल्द ही तलाक ले सकता है। हालांकि, तमाम दावों के बावजूद दोनों ने इस पर अपनी चुप्पी साधे रखी। हाल ही में दोनों को अपनी बेटी आराध्या के स्कूल के वार्षिक समारोह में भी एक साथ देखा गया था, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि उनके अलगाव की खबर सिर्फ अफवाह थी।

छुट्टी मनाकर साथ लौटे अभिषेक-ऐश्वर्या

अब एक बार फिर से अभिषेक-ऐश्वर्या साथ नजर आए हैं। हाल ही दोनों आराध्या के साथ नए साल की छुट्टी मनाकर मनाकर मुंबई वापस लौटे। परिवार को साथ देखकर अब फैंस ने भी राहत की सांस ली है। इस जोड़े को साथ में देखकर प्रशंसक काफी ज्यादा खुश हैं।

फैंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

एक फैन ने कहा,दोनों एक साथ बहुत अच्छे लगते हैं। एक और फैन ने लिखा,आखिरकार, मैं खुश हूं कि वे साथ हैं। लोगों को समझना चाहिए कि हर शादी पब्लिसिटी स्टंट के लिए नहीं होती। कुछ लोग अपनी प्राइवेसी को ज्यादा महत्व देते हैं। एक अन्य फैन ने लिखा, परिवार के रूप में उन्हें देखकर बहुत खुशी हुई। एक व्यक्ति ने लिखा, यह अफवाहों को पूरी तरह से बंद कर देगा।

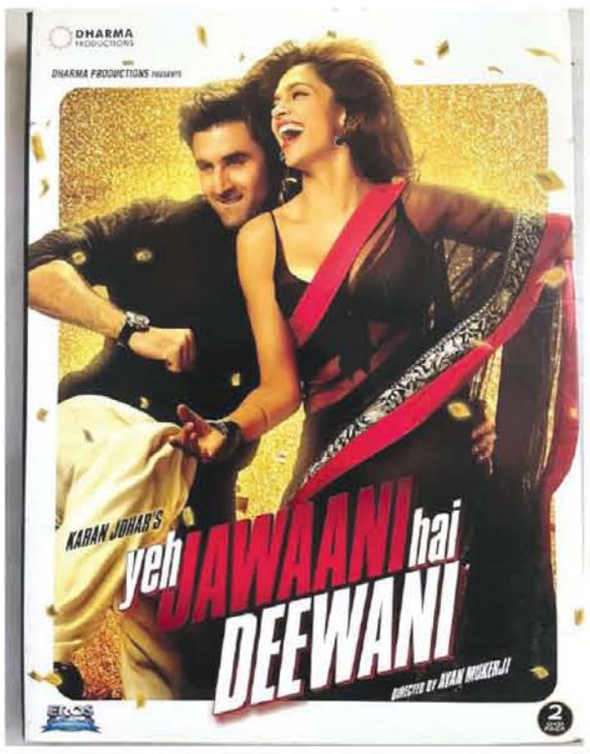

'ये जवानी है दीवानी' ने 11 साल बाद फिर मचाई धूम

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' को बॉलीवुड की सबसे शानदार फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। आज भी यह दर्शकों के बीच उतनी ही लोकप्रिय है जितनी कि रिलीज के समय थी। आयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2013 में जब यह रिलीज हुई थी तो बॉक्स ऑफिस पर यह एक बड़े हिट के रूप में सामने आई थी। फिल्म ने भारत में 188 .57 रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जो उस समय के हिसाब से यह एक बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म थी।

अब 11 साल बाद 'ये जवानी है दीवानी' ने एक बार फिर से बड़े पर्दे पर वापसी की है। री-रिलीज के बाद इस फिल्म ने दोबारा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर एक बार फिर से शानदार शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुक माय शो पर फिल्म के लगभग 75,000 टिकट्स बिके। इसके अलावा शुरुआती अनुमान के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन करीब एक करोड़ 25 लाख रुपये का नेट कलेक्शन किया। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि फिल्म की लोकप्रियता आज भी वैसी ही बनी हुई है। इसका खास असर दर्शकों पर 11 वर्षों के बाद भी देखने को मिल रहा है।

कियारा की टीम ने साझा की हेल्थ अपडेट

जानें क्यों बिगड़ी तबियत?

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ अभिनेता के साथ अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हैं। अभिनेत्री शनिवार को एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल होने वाली थीं। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब कियारा की टीम ने उनका हेल्थ अपडेट जारी किया है।

अस्पताल में भर्ती नहीं हुईं अभिनेत्री

कियारा की टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, 'कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं।

प्रेस मीट में शामिल होने वाली थीं कियारा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी राम चरण के साथ गेम चेंजर की प्रेस मीट में शामिल होने वाली थी। हालांकि, तबियत बिगड़ने की वजह से वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाई।

इसी महीने पूरे होंगे ऋतिक रोशन के परदे पर 25 साल

गुड्डू के नाम से मशहूर प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता, निर्देशक राकेश रोशन ने अपने बेटे का नाम जब डुग्गू रखा होगा तो उन्हें भी क्या ही पता होगा कि ये लड़का बड़ा होकर रोशन परिवार के नाम की डुगडुगी पूरी दुनिया में फिर से बजा आएगा। 25 साल पहले 14 जनवरी को एक नई फिल्म रिलीज हुई, 'कहो ना प्यार है' और शाम होते होते पूरी फिल्म इंडस्ट्री को पता चल गया कि हिंदी सिनेमा के सितारों की महफिल में एक नए स्टार का तराना गूंज चुका है। इस तराने की गूंज के सिल्वर जुबली साल का जश्न यहां मंगलवार को जुहू में होने जा रहा है।

ऋतिक रोशन ने बतौर बाल कलाकार अपने नाना निर्माता, निर्देशक जे ओम प्रकाश की फिल्मों 'आशा', 'आपके दीवाने' और 'आसपास' में काम किया है। बड़े हुए तो नाना ने उन्हें पापा के साथ फिल्म 'भगवान दादा' में लिया जिसमें उन्होंने पहली बार अपनी मार्शल आर्ट्स के हाथ दिखाए। फिर ऋतिक ने लंबा समय 'किंग अंकल', 'कोयला' और 'करण अर्जुन' जैसी फिल्मों के सेट पर बतौर सहायक निर्देशक बिताया। शाहरुख खान और सलमान खान जैसे सितारों को चाय भी पिलाई और इंतजार किया बड़े परदे पर बतौर हीरो अपनी पारी का। साल 2000 की मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी के दिन हिंदी सिनेमा का वह मिथक टूटा जिसके मुताबिक साल के दूसरे शुक्रवार को रिलीज होने वाली फिल्म हिट हो जाए तो ये बड़ी बात होती है। अपने बेटे ऋतिक रोशन को पिता राकेश रोशन ने इसी दिन बड़े परदे पर लॉन्च किया फिल्म 'कहो ना प्यार है' से। अमिषा पटेल, अनुपम खेर, दलीप ताहिल, मोहनीश बहल, व्रजेश हीरजी और हेमंत पांडे जैसे कलाकारों ने हनी ईरानी और जीतेंद्र (रवि कपूर) की इस कहानी में जो करिश्मे दिखाए, उसके चर्चे आज तक होते हैं।

10 जनवरी को रिलीज होगी 'लव इज फॉरेवर'

कहतें हैं कि अगर इंसान के अन्दर कुछ करने की प्रतिभा है तो वह छिपाए नहीं छिपती, जरूरत बस उचित मौके मिलने के पश्चात उसे निखारने की है। इसका मिशाल बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा का बेहतर अभिनय पेश कर रहे बक्शा विकास खण्ड के बरपुर गांव निवासी शिव मिश्रा जो जनपद व प्रदेश ही नहीं वरन देश में नाम रोशन कर रहे हैं। फिल्म से लेकर दर्जनों टीवी सीरियलो में बेहतरीन काम कर चुके शिव मिश्रा की बॉलीवुड के बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री हो रही है। टीवी सीरियलों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहें मिश्र की लव इज फॉरेवर फिल्म आगामी 10 जनवरी को हो रही तीन भाषाओं में रिलीज हो रही है।

मिश्र इसके अलावा सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाला सीरियल शुभ-लाभ, और दंगल पर प्रतिदिन प्रसारित होने वाले नागमणि,मन सुंदर सहित कई दर्जन सीरियलों में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर चुके है। अभिनय के साथ बेहतरीन गायन के क्षेत्र में भी शिव मिश्रा ने बप्पा मोरया गीत लांच कर यूट्यूब चैनल पर धमाल मचा चुके है। इसके पहले मिश्र का गाया हनुमान चालीसा भी सुपर हिट हो चुका है। शिव टीवी सीरियल काल भैरव, मन में है विश्वास, सावधान इंडिया-,क्या हाल है मिस्टर पांचाल, जीत गई तो पिया मोरे सहित दर्जनो सीरियल में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर चुके हैं । रामनिधि मिश्र के एकलौते पुत्र शिव मिश्र 1985 से मायानगरी मुंबई की चकाचौंध जिंदगी में अभिनय का प्रयास कर रहे थे पर उन्हें मौका 2007 से मिलना चालू हुआ तो फिर पीछे मुड़ कर नही देखे। बॉलीवुड एक्टर शिव मिश्र का बड़े पर्दे पर चाहे धमाके दार एंट्री हो या सजीव अभिनय से कलर्स के शो डोरी में बड़े महंत का किरदार हो या जीटीवी के शो वारिस में डॉन कि भूमिका हो। इसी तरह कुमकुम भाग्य, नागिन ये है मोहब्बते अहिल्या बाई, कुंडली भाग्य, बालिका वधू, काल भैरव, गुड़िया रानी, यारियां 2 के बाद ये दूसरी बड़े पर्दे की पिक्चर लव इज फॉरेवर जो हिंदी, तेलुगू एवं तमिल में एक साथ लांच होने जा रही हैं। फिल्म के डायरेक्टर है सालीनाश्रीनिवास व असिस्टेंट डायरेक्टर सोनू डंडोरिया फिल्म के स्टार कास्ट है। रुसलान मुमताज, कर्णिका मंडल, राहुल बी कुमार, मुस्ताक खान, शिव कुमार मिश्र, गार्गी पटेल, चंद्रप्रकाश ठाकुर,जावेद हैदर, सलीम मुल्लानवर और गरिमा अग्रवाल है।

खेल रत्न से सम्मानित प्रवीण कुमार को डीएम ने दी शुभकामनाएं

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा के बाद गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने प्रवीण कुमार से मुलाकात की और अपनी शुभकामनाएं दीं।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के रहने वाले पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय ने बीते गुरुवार को नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2024 के विजेताओं की घोषणा की। यह सम्मान उन्हें उनके अभूतपूर्व खेल प्रदर्शन के लिए दिया जाएगा। प्रवीण कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जिससे उन्होंने ना केवल देश का नाम रोशन किया बल्कि दुनिया भर में भारतीय पैरा एथलीटों की क्षमता को भी साबित किया। इससे पहले उन्होंने टोक्यो पैरालिंपिक में रजत पदक भी जीता था और टी-64 स्पर्धा में 2.08 मीटर की ऊंचाई लांघकर इतिहास रचा था। प्रवीण कुमार का यह प्रदर्शन पैरा एथलेटिक्स में एक नया मील का पत्थर साबित हुआ है। उनका स्वर्ण पदक और रिकॉर्ड तोड़ने वाली कूद ने उन्हें भारत के सबसे प्रमुख पैरा एथलीटों में शामिल कर दिया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी, जो छोटे पैर के साथ पैदा हुए थे, ने छह जंपर क्षेत्र में 2.08 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ एशियाई रिकॉर्ड तोड़ दिया और पोडियम के शीर्ष पर रहे। लगातार दो पैरालंपिक खेलों में पहले रजत और फिर 2024 में स्वर्ण जीतकर इस होनहार ने दिखा दिया कि अपंग होना बुलंद इरादों को कभी मात नहीं दे सकती।

प्रवीण कुमार को खेल रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने प्रवीण कुमार से मुलाकात की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस में 143 शिकायतें हुई दर्ज, 10 का निस्तारण

चेतना मंच

नोएडा/ग्रेटर नोएडा। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ।

जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 143 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 10 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की।

तहसील जेवर में जन सामान्य की कुल 31 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 2 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में गंभीरता बरतें और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है।

दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में 107 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कराया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 5 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 2 का निराकरण अधिकारियों द्वारा मौके पर सुनिश्चित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, एसीएमओ, नायब तहसीलदार जेवर और अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में सड़क हादसों पर लगा थोड़ा ब्रेक

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की यातायात पुलिस द्वारा की जा रही कोशिश नोएडा में रंग दिखने लगी हैं। कमिश्नरेट क्षेत्र में चलाए गए अभियानों व सख्ती के बाद सड़क हादसों में थोड़ी कमी आई है। हालांकि इन हादसों में मरने वालों की संख्या में कुछ कमी नहीं आई है।

वर्ष 2024 में 443 लोगों ने दुर्घटना में गंवाई जान

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के कारण सड़क हादसों में कमी दर्ज की गई है। डीसीपी यातायात लखन सिंह यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में यातायात को सुचारू बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का असर बीते वर्ष 2024 में देखने को मिला है।

डीसीपी यातायात लखन सिंह यादव ने बताया कि वर्ष 2023 में लगभग 1176 सड़क हादसे हुए थे। जबकि वर्ष 2024 में कुल 1110 सड़क हादसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इन सड़क हादसों में लगभग 443 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने वर्ष 2024 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। वर्ष 2024 में यातायात पुलिस ने 2 लाख 80 हजार से ज्यादा चालान काटे। इसके अलावा लोक अदालत से यातायात पुलिस को 4 करोड़ 35 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया इसके अलावा आइटीएमएस कैमरे और ऑनलाइन चालान भी किए गए हैं।

डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव ने बताया कि गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नर द्वारा नोएडा, ग्रेटर नोएडा व दादरी और कमिश्नरेट क्षेत्र में पड़ने वाले अन्य इलाकों में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जा रहा है। यातायात नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ मोटे चालान किए जा रहे हैं। साथ ही ट्रैफिक रूल तोड़ने वालों पर भी सख्ती की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में यातायात पुलिस ने सबसे ज्यादा चलन दोपहिया वाहनों के किए हैं इसके अलावा ओवर स्पीड चलने वाले वाहनों पर भी सख्ती की गई है।

नव निर्वाचित भाजपा मंडल अध्यक्ष का स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष रामकिशन यादव को उद्यमियों ने बधाई दी गई एवं स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी मंडल महामंत्री अजीत पांडे, मंडल उपाध्यक्ष देशराज सिंह, मंडल मंत्री पवन चौहान, सोशल मीडिया के जिला सदस्य कपिल मेहरा, जेएस तोमर, नितिन शर्मा, उपदेश तिवारी, शिवकुमार तिवारी, केशव गंगल, संजय शर्मा, एलआर गुप्ता, डी पी शर्मा, उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संयोजन एवं आयोजन भाजपा नोएडा महानगर के लघु उद्यमी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष शिव कुमार राणा सहित अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

'अवैध होटलों और गेस्ट हाउसों पर होगी सख्त कार्रवाई'

नोएडा (चेतना मंच)।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौतमबुद्धनगर मंगलेश दुबे ने बताया कि जनपद में बिना पंजीकरण अवैध रूप से संचालित होटलों/गेस्ट हाउस/बैंक्वेट हॉल की सीलिंग की कार्यवाही किए जाने का निर्णय लिया गया है।

जनपद में अवैध रूप से संचालित या ऐसे होटलों/गेस्ट हाउस/बैंक्वेट हॉल, जिन्होंने आवेदन करने के उपरांत बिना पंजीकरण कराए संचालन प्रारंभ कर दिया है, ऐसे सभी होटलों/गेस्ट हाउस/बैंक्वेट हॉल को चिन्हित कर लिया गया है। इन पर करों का भुगतान न करना, सुरक्षा और स्वास्थ्य नियमों का उल्लंघन, साथ ही लाइसेंस व अन्य अनुमति न लेना जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि नगर मजिस्ट्रेट गौतमबुद्धनगर एवं सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा इन सभी होटलों का निरीक्षण किया जाएगा और उन्हें सील करने की कार्यवाही की जाएगी। किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और बिना पंजीकरण संचालित होटलों/गेस्ट हाउस/बैंक्वेट हॉल के स्वामी-प्रबंधकों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

उन्होंने जन सामान्य से अपील करते हुए कहा कि जनपद में अवैध गतिविधियों की रिपोर्ट करें और शहर को सुरक्षित बनाने में मदद करें।

10 माह के बच्चे का गला रेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेगमपुर थाना क्षेत्र में एक 10 महीने के मासूम के गला रेतने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार खून से लथपथ घायल मासूम को पास के ही अस्पताल में लेकर गए, जहां हालत गंभीर देख बच्चे को रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां बच्चे के गले में 12 टांके लगे हैं।

मासूम का इलाज जारी है। इस पूरे मामले में पुलिस अधिकारी का कहना है कि शिकायत मिली है, आरोप मकान मालिक के नाबालिग बेटे पर लगा है। पुलिस पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

जानकारी के अनुसार, प्रमोद अपनी पत्नी शीतल और नौ महीने बेटे के साथ बेगमपुर गांव में एक किराये के मकान में रहते थे। प्रमोद ने बताया कि वह एक कपड़ा कंपनी के लिए मार्केटिंग का काम करते हैं। 18 मार्च 2023 को उनकी शादी हुई थी। तीन मार्च 2024 को उनकी पत्नी ने एक बेटे को जन्म दिया।

प्रमोद ने बताया कि वह इस मकान में बीते करीब ढाई वर्ष से रह रहे हैं। 25 दिसंबर की रात उनकी तबीयत खराब होने पर वह मेडिकल स्टोर दवाई लेने के लिए गए थे। तभी मकान मालिक के बेटे ने फोन कर उन्हें कहा कि मेन गेट खुला क्यों छोड़ा। साथ ही धमकी दिया कि घर आने पर वह मेरी पिटाई करेगा।

कमिश्नरेट के थाना फेस-3 में बनेंगे आवासीय भवन, बजट जारी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात पुलिस कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार तेजी के साथ काम कर रही है। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के एक और थाने में जल्द ही सुविधाजनक आवासीय भवनों का निर्माण शुरू किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बजट जारी कर दिया है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस को आधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ-साथ उनकी आवासीय और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए भी काम किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा पुलिस कर्मियों को अच्छे आवासीय भवन बनाकर दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के थाना फीस-3 में जल्द ही सुविधाजनक आवासीय भवनों का निर्माण शुरू किया जाएगा।

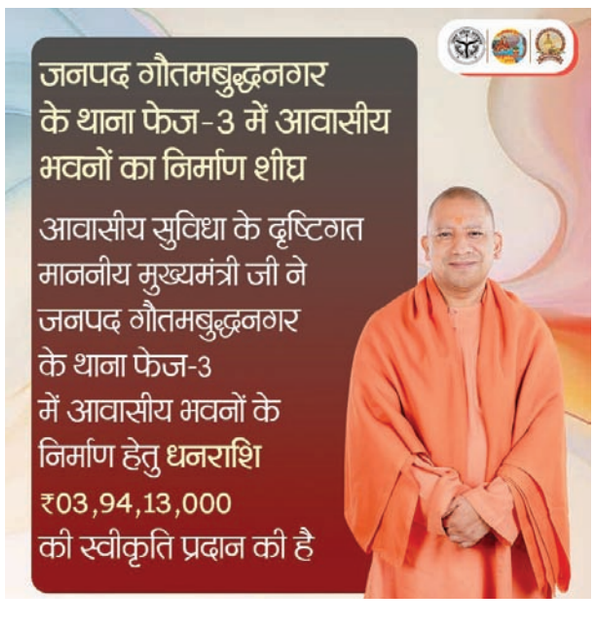

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के थाना फेस-3 में बनने वाले आवासीय भवनों के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 3 करोड़ 94 लाख 13000 रुपए का बजट जारी कर दिया है। बजट जारी होने के बाद थाना फेस-3 में आवासीय भवनों का निर्माण शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इससे पूर्व भी गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के कई थानों में आवासीय भवनों के निर्माण के लिए बजट जारी किया था। अधिकतर थानों में आवासीय भवन बनकर तैयार हो चुके हैं। इनमें जेवर थाने में हॉस्टल और बैरक, नोएडा के सेक्टर 5 स्थित हरौला के थाना फेस-1 थाना ईकोटेक-3 में टाइप बीके आवासीय भवन का निर्माण शामिल है।